www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 14 || लखनऊ
मंगलवार
14 अप्रैल 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:54
सूर्यास्तः 06:30
अधिकतमः 38°00
न्यूनतमः 23°00

पेज 03

विशेष समाचार: मरा नहीं करती गीतों की शोख ... >> पेज 02
अस्पताल की चौथी मंजिल से गिरी... >> पेज 04
प्रियंका ने गोल्डन टेंपल में माथा टेका...

गैस महंगी, किराया बढ़ा... इतनी सैलरी में कैसे चले घर

फेज-2 से शुरू हुआ आंदोलन कई सेक्टरों तक फैला ■ फरीदाबाद में बढ़ी सैलरी के बाद रिचा ग्लोबल की यूनिट्स में भी उठी समान वेतन की मांग

- नोएडा में पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों ने फ्लैग मार्च किया।
- नोएडा के फेज-2 में मदरसन कंपनी के बाहर प्रदर्शन कर रहे कर्मचारी हिंसक हो गए।

आंदोलन

तमसा संकेत, एजेंसी

दिल्ली से सटे हुए नोएडा में वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर मजदूरों का शुरू हुआ आंदोलन हिंसक रूप अख्तियार कर लिया है. नोएडा के अलग-अलग इंडस्ट्रियल एरिया में फैक्ट्री मजदूरों का गुस्सा सड़कों पर उतर आया है. सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे श्रमिकों ने वेतन बढ़ाने की मांग कर रहे हैं, उनका कहना है कि महंगाई के दौर में इतनी कम सैलरी पर गुजर बसर करना मुश्किल हो गया है. नोएडा फेज-2 स्थित होजरी कॉम्प्लेक्स में वेतन बढाने की मांग को लेकर मजदूरों का शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन ने पूरे नोएडा को अपनी जद में ले लिया है. फेज-2 व इकोटेक-3 के बाद अब नोएडा सेक्टर-62 और नोएडा सेक्टर 15 में भी श्रमिक सड़क पर उतर गए हैं. नोएडा में अलग-अलग कंपनियों के बाहर प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का आंदोलन सोमवार को अचानक हिंसक हो गया.

नोएडा में हुए श्रमिक बवाल को लेकर एडिशनल सीपी लॉ एंड ऑर्डर राजीव नारायण मिश्रा ने बताया- अब तक 60 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। करीब 200 लोगों को हिरासत में लिया है। उन्होंने कहा कि एफआईआर अभी दर्ज की जा रही है और जैसे-जैसे उपद्रवियों की पहचान होती जाएगी, आरोपियों की संख्या बढ़ती जाएगी। पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों को पहले ही समझाया गया था।

>> (शेष पेज 04 पर)

क्या हैं मजूदरों की मांगें?

- मजदूरों की मांगें अनाप-शनाप नहीं है, बल्कि बेहद समान्य है, बेहद जरूरी हैं।
- महीने का वेतन कम से कम 20,000 से 25,000 रुपये किया जाए।
- रोजाना की मजदूरी 600 रुपये तय की जाए।
- ओवरटाइम का पैसा दिया जाए।
- कंपनियां लिखित में भरोसा दें।

मजदूरों का आंदोलन और हालात की गंभीरता

नोएडा में फैक्ट्री मजदूरों ने अपनी सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन शुरू में शांत था लेकिन जल्द ही हालात बिगड़ गए। कुछ वर्गों से आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएँ सामने आईं।

मजदूरों के सैलरी विवाद पर सीएम योगी का बड़ा एक्शन

नोएडा और फरीदाबाद के औद्योगिक क्षेत्रों में पिछले कुछ दिनों से श्रमिक वेतन वृद्धि और बेहतर सुविधाओं की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। सोमवार, 13 अप्रैल 2026 को यह आंदोलन उग्र हो गया और प्रदर्शनकारियों ने वाहनों में तोड़फोड़ व आगजनी की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री ने न केवल शांति बनाए रखने की अपील की, बल्कि औद्योगिक सामंजस्य स्थापित करने और श्रमिकों की जायज मांगों पर विचार करने के लिए एक शीर्ष समिति गठित करने का निर्देश दिया।

महंगी गैस बनी आंदोलन की वजह

अमेरिका और ईरान के साथ चल रही जंग के चलते एलपीजी गैस की किल्लत की मार सबसे ज्यादा मजदूरों को झेलना पड़ रहा है. रिचा ग्लोबल में काम करने वाले सुनील कुमार कहते हैं कि एलपीजी गैस मिल नहीं रही है. 80 रुपये किलो मिलने वाली गैस 400 से 500 रुपये किलो मिल रही है, उसके लिए भी हमे मशक्कत करनी पड़ रही है. हमारे साथ के कई कर्मचारी महंगी गैस खरीद नहीं पा रहे हैं, जिसके चलते वो लोग नौकरी छोड़कर जा चुके हैं. कंपनी हमारे दर्द को समझना तो दूरी की बात है, सुनना भी नहीं चा रही है. आज मजदूरों के सड़क पर उतरने के पीछे गैस की बढ़ी कीमत बड़ी वजह बनी है, क्योंकि इसी सीधी मार हमें उठाना पड़ी है.

> "इस प्रदर्शन का आर्थिक प्रभाव भी महसूस किया जा रहा है। स्थानीय उद्योगपतियों का कहना है कि अगर समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो यह वस्तुतः उनकी उत्पादन क्षमता को प्रभावित कर सकता है। प्रदर्शनकारी मजदूरों की मांगों को सुनने के बाद उद्योग प्रमुखों ने समझौते की आवश्यकता पर जोर दिया है। आज मजदूरों के सड़क पर उतरने के पीछे गैस की बढ़ी कीमत बड़ी वजह बनी है, क्योंकि इसी सीधी मार हमें उठाना पड़ी है."

सरकार ने बनाई हाई लेवल कमेटी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले को सुलझाने के लिए एक हाई लेवल कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी सभी पक्षों के बीच तालमेल बनाने और समस्याओं के समाधान के लिए काम करेगी। अधिकारियों के अनुसार, समिति में श्रम विभाग के अधिकारी शामिल होंगे जो इस मामले की गंभीरता को समझते हैं।

उच्च स्तरीय कमिटी की जानकारी

नोएडा के होजरी कॉम्प्लेक्स (फेज-2) में श्रमिकों के वेतन और कार्यदशाओं को लेकर उपजे विवाद के समाधान के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक उच्च स्तरीय समिति (High-Level Committee) का गठन किया है।

इस समिति की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास आयुक्त (IIDC) करेंगे, जबकि अपर मुख्य सचिव (MSME), प्रमुख सचिव (श्रम एवं सेवायोजन) और श्रम आयुक्त को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए इसमें 5 श्रमिक संगठनों और 3 उद्यमी संघों के प्रतिनिधियों को भी स्थान दिया गया है। समिति का प्राथमिक उद्देश्य औद्योगिक शांति बहाल करना और भविष्य में ऐसे विवादों को रोकने के लिए स्टेकहोल्डर्स के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है।

कर्मचारियों ने पुलिस बल पर पत्थरबाजी की। काफी मशक्कत के बाद भीड़ को काबू किया जा सका।

नोएडा में मजदूर आंदोलन के पीछे कौन?

नोएडा में मजदूरों का आंदोलन के पीछे रिचा ग्लोबल को माना जा रहा है. रिचा ग्लोबन की एक यूनिट हरियाणा के फरीदाबाद में स्थित है, जहां पिछले कई दिनों से श्रमिक वेतन वृद्धि की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे. वहां पर हरियाणा सरकार के वेतन बढ़ोतरी के फैसले के बाद कंपनी प्रबंधन ने 35 प्रतिशत तक वेतन वृद्धि को मंजूरी दी, जिसके तहत टेक्निकल स्टाफ की सैलरी 20,000 और नॉन-टेक्निकल स्टाफ की सैलरी 15,000 कर दी गई. इसी फैसले के बाद ही नोएडा फेस-2 में स्थित रिचा ग्लोबल की चार अन्य फैक्ट्रियों में कार्यरत सैकड़ों श्रमिकों ने भी समान वेतन वृद्धि की मांग शुरू कर दी.

कहां और कैसे भड़की हिंसा- आगजनी?

सबसे पहले फेज-2 इलाके में हालात खराब हुए। सुनवाई न होने से कर्मचारी उग्र हो गए। पथराव कर दिया। फेज-2 के बाद धीरे-धीरे प्रदर्शन नोएडा के करीब 10 इंडस्ट्रियल इलाकों और आसपास के जिलों में फैल गया। कर्मचारियों ने नोएडा सेक्टर-57 में 30 से ज्यादा फैक्ट्रियों और दफ्तरों में तोड़फोड़ की। सेक्टर- 40 और 60 में कंपनियों का घेराव किया। सेक्टर 85 में डिक्सन कंपनी का गेट तोड़ दिया। सेक्टर 1, 15, 62 और DND फ्लाइओवर के पास सड़क जाम कर दी। हालात को काबू करने के लिए कुछ इलाकों में RAF और PAC उतार दी गई है। DGP राजीव कृष्ण और ADG (लॉ एंड ऑर्डर) अमिताभ यश कंट्रोल रूम से स्थिति पर नजर रखते हुए हैं। डीजीपी ने कहा है कि अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करेंगे।

फास्ट न्यूज

सोनिया गांधी का दावा- महिला आरक्षण नहीं, परिसीमन असली मुद्दा

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने सोमवार को महिला आरक्षण को लेकर सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। उन्होंने द हिन्दू (अखबार) में लिखा कि पीएम विपक्षी दलों से उन बिलों का समर्थन करने की अपील कर रहे हैं, जिन्हें सरकार संसद के विशेष सत्र में जबरदस्ती पास कराना चाहती है।

महाराष्ट्र के ठाणे में सड़क हादसा, 11 की मौत

ठाणे (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के ठाणे में सोमवार को सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। दो गंभीर घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक हादसा सुबह करीब 10:45 बजे मुर्बाड के गोविली गांव स्थित रैता ब्रिज पर हुआ। कल्याण से मुर्बाड जा रही वैन की सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। वहीं, अन्य दो लोग घायल हैं, जिन्हें उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में 8 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल हैं। अब तक 6 मृतकों की पहचान हो चुकी है।

तेलंगाना के सरकारी स्कूल में एआई से पढ़ाई

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद से 104 किमी दूर नलगोंडा स्थित कोमटिरेड्डी प्रतीक सरकारी स्कूल का पूरी तरह कायाकल्प किया गया है। अब यह एसी कैंपस, 36 स्मार्ट क्लास, आधुनिक लैब, लाइब्रेरी और एआई आधारित पढ़ाई से लैस मॉडल सरकारी स्कूल बन गया है। ऑडियो-वीडियो और प्रैक्टिकल लर्निंग की व्यवस्था की गई है। पर्यावरण शिक्षा के लिए किचन गार्डन भी बनाया गया है।

'बंगाल एसआईआर में जिनके नाम कटे, वे वोट नहीं देंगे'

सुप्रीम कोर्ट बोला- इस स्टेज पर दखल नहीं देंगे, आपत्तियां आती रहीं तो चुनाव कैसे होगा

इनकार

तमसा संकेत, एजेंसी

> सीजेआई ने कहा कि अगर एसआईआर प्रक्रिया को लेकर ऐसे ही आपत्तियां आती रहीं, तो चुनाव कैसे होंगे। कलकत्ता हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 11 अप्रैल तक 34 लाख से अधिक अपीलें दायर की जा चुकी हैं जिनपर फैसला आना बाकी है।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में उन वोटरों को मतदान की इजाजत देने से इनकार कर दिया, जिनके नाम स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) में काटे गए हैं और उनकी शिकायत अपीलीय ट्रिब्यूनलों में लंबित हैं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि अगर हम ऐसे वोटरों को वोट डालने की इजाजत देंगे तो उन लोगों के वोटिंग अधिकार छीनने होंगे जिनके नाम SIR लिस्ट में शामिल हैं। कोर्ट ने कहा कि वोटिंग से 10 दिन पहले, इस स्टेज पर चुनाव प्रक्रिया में कोई दखल नहीं देंगे। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि चुनाव परिणाम में तभी दखल दिया जाएगा, जब बड़ी संख्या में मतदाता बाहर किए गए हों और वह संख्या जीत के अंतर को प्रभावित करती हो। जस्टिस बागची ने आयोग से कहा- मान लीजिए कि जीत का अंतर 2% है।

>> (शेष पेज 04 पर)

अशांति पैदा करने वालों से सावधान रहें : योगी

हमारी सरकार श्रमिकों के साथ, सभी को न्यूनतम वेतन मिलेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

मुजफ्फरनगर। 'औद्योगिक अशांति पैदा करने वाले लोगों से सावधान रहें। हमारी सरकार श्रमिकों के साथ है। उद्यमी को सुरक्षा देगी, श्रमिकों को संरक्षण देगी। सफाईकर्मी हो या आउट-सोर्सकर्मी, सभी को न्यूनतम वेतन की गारंटी होगी। इसमें कोई बिचौलिया नहीं होगा।' यह बात सीएम योगी ने मुजफ्फरनगर में सोमवार को कही। माना जा रहा है कि योगी ने यह बात नोएडा में चल रही हिंसा को लेकर कही है। योगी ने कहा कि माफिया की जगह सिर्फ मिट्टी में होगी, बेटी की सुरक्षा के साथ खेलने वालों के लिए इस धरती पर कोई जगह नहीं है। पाकिस्तान वाले खाने को मोहताज हो रहे हैं। उसे तो भूखों ही मरना है। योगी ने मुजफ्फरनगर जिले को बड़ा तोहफा दिया। कहा कि जल्द ही नगर निगम बनाया जाएगा। इससे पहले सीएम का हेलीकॉप्टर करीब 1.30 बजे पुलिस लाइन में उतरा। वह कार से अहिल्याबाई चौक पहुंचे, वहां प्रतिमा का अनावरण किया। इसके बाद नुमाइश ग्राउंड पहुंचे। यहां 951 करोड़ की 423 परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। सीएम ने मंच से कौशल दर्शन पुस्तक का विमोचन किया। रोजगार मेले का उद्घाटन किया, जिसमें करीब 10 हजार युवाओं को जॉब दिया जाएगा। इसके बाद जनसभा को संबोधित किया।

>> (शेष पेज 04 पर)

> "गल्फ कंट्री में पेट्रोलियम के दाम 4 गुना योगी ने कहा- प्रधानमंत्री मोदी के कारण हम सब सुरक्षित हैं। 145 करोड़ का भारत सुरक्षित है। यह नए भारत की ताकत है।"

सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए

सुरक्षा के लिहाज से भी कड़े इंतजाम किए गए थे। पूरे मार्ग पर चप्पे-चप्पे पर पुलिस फोर्स तैनात किया गया। ऊंची इमारतों पर भी कड़ा पहरा रहा। सीएम के पूरे रूट की ड्रोन से निगरानी की गई। कार्यक्रम में करीब 30 हजार लोग पहुंचे। सीएम के साथ जयंत चौधरी, कौशल विकास मंत्री कपिलदेव अग्रवाल, मंत्री एसपी सिंह बघेल, कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार और बिजनौर सांसद चंदन सिंह चौहान के अलावा प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम भी मौजूद रहे। सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारियों ने साफ किया कि कार्यक्रम की अधिकृत सूची में उनका नाम शामिल नहीं है। इसलिए प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा सकती। मार्केट और मीनाक्षी चौक पर सभी नॉनवेज होटल बंद करा दिए गए।

जनसभा : ममता ने कहा - 19 राज्य और केंद्र सरकार मेरे खिलाफ, अकेले लोगों के लिए लड़ रही हूं

टीएमसी ने बंगाल के 5000 करोड़ गायब किए : शाह

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली//गुवाहाटी/कोलकाता/चेन्नई। गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के बीरभूम में जनसभा की। उन्होंने कहा कि ममता दीदी कहती हैं कि महिलाओं को शाम 7 बजे के बाद घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। उन्हें शर्म आनी चाहिए। हमारी सरकार आएगी तो बच्चियां रात 1 बजे भी बाहर निकल पाएंगी। TMC सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि कैश फॉर क्वेरी, 26 हजार शिक्षकों की भर्ती, गाय तस्करी और पीएम आवास में TMC ने घोटाले किए। इन घोटालों में बंगाल की जनता के 5000 करोड़ रुपए गायब हो गए। हमारी सरकार बनते ही हम TMC से पाई-पाई का हिसाब लेंगे। UCC (समान नागरिक संहिता) पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि हम बंगाल में UCC लाएंगे। आज बंगाल में कुछ लोग चार शादियां करते हैं, हमारे कानून बनने के बाद वे ऐसा नहीं कर पाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि TMC ने BSF की फेंसिंग के लिए जमीन नहीं दी। हमारी सरकार बनते ही BSF को राज्य की सीमा पर फेंसिंग के लिए जमीन दे दी जाएगी। वहीं पश्चिम बंगाल के सूरी में एक चुनावी सभा के दौरान ममता बनर्जी ने कहा- 19 राज्य और केंद्र सरकार मेरे खिलाफ एकजुट हो गए हैं, मैं अकेले ही आम लोगों के लिए लड़ रही हूं। बीरभूम TMC का मजबूत गढ़ माना जाता है। 2021 में बीरभूम जिले की 11 में से 10 सीटों पर TMC जीती थी। यहां ध्रुवीकरण भी एक बड़ा मुद्दा रहा है। बीरभूम में 63% हिंदू और 37% मुस्लिम आबादी है। BJP ने पिछले कुछ सालों में यहां अपना जनाधार बढ़ाया है और अवैध बालू खनन, भ्रष्टाचार और हिंसा जैसे मुद्दों को लेकर TMC को घेर रही है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा के बारे में X पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि असम के मुख्यमंत्री देश के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं। भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच होनी चाहिए, क्योंकि पारदर्शिता और कानून का शासन ही संवैधानिक मूल्य हैं। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि वह पवन खेड़ा के साथ खड़ी है और किसी भी दबाव में नहीं झुकेगी। तमिलनाडु के चेन्नई भाजपा नेता आर. सरथ कुमार ने मायलापुर से पार्टी उम्मीदवार तमिलिसाई सुंदरराजन के लिए चुनाव प्रचार करते हुए कहा कि वे यहां की सभी समस्याओं का समाधान करेंगी।

पश्चिम बंगाल के बीरभूम में गृह मंत्री अमित शाह ने जनसभा की।

2 चुनावी राज्यों में बड़े अपडेट्स

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को शाम 4 बजे 'मेरा बूथ-सबसे मजबूत संवाद' कार्यक्रम के माध्यम से तमिलनाडु के भाजपा कार्यकर्ताओं से वर्चुअल संवाद करेंगे।
- आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पश्चिम बंगाल के मयूरेश्वर, दुबराजपुर और रानीगंज में 3 जनसभाएं करेंगे। इसके बाद गृह मंत्री दुर्गापुर में रोड शो भी करेंगे।
- भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन तमिलनाडु के अरंथंगी, गंधर्वकोट्टई और तंजावुर में जनसभा करेंगे।
- पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा- बीजेपी ने बंगाल में टीएमसी सरकार को सत्ता से हटाने के लिए ₹1000 करोड़ की डील की है।

जज आरएसएस से जुड़े संगठन के कार्यक्रम में गईं : केजरीवाल

जस्टिस स्वर्णकांता को हटाने की 10 वजह गिनाईं

0000

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को हाईकोर्ट जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से दिल्ली शराब घोटाला केस से हटने (रिक्यूज) की फिर मांग की। उन्होंने कोर्ट में डेढ़ घंटे दलीलें रखीं। उन्होंने कहा, मुझे पहले से ही दोषी माना जा रहा है। जस्टिस शर्मा के आदेशों में एक पैटर्न दिखता है, जिसमें ED और CBI के हर तर्क को स्वीकार किया जाता है। केजरीवाल ने कहा- जस्टिस शर्मा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के कार्यक्रम में 4 बार शामिल हो चुकी हैं। इसके साथ ही दिल्ली के पूर्व सीएम ने जस्टिस शर्मा को हटाने की कुल 10 वजह बताईं। इससे पहले 6 अप्रैल को सुनवाई हुई थी। तब

कोर्ट ने CBI को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया और कहा कि अगर कोई जज को मामले से हटाने की मांग वाली अर्जी देना चाहता है, तो दे सकता है। दिल्ली सरकार ने 2021 में राजस्व बढ़ाने और शराब व्यापार में सुधार के लिए आबकारी नीति बनाई थी, जिसे बाद में अनियमित-ताओं के आरोप लगने के बाद वापस ले लिया गया। इसके बाद उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने CBI जांच के आदेश दिए थे। CBI और प्रवर्तन निदेशालय (ED) का आरोप है।

सम्पादकीय

इस्लामाबाद वार्ता से निकला संदेश

पिछले 28 फरवरी से अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुई इस्लामाबाद वार्ता बेनतीजा खत्म हो गई। 21 घंटे की चर्चा के बावजूद ईरान और अमेरिका में आपसी सहमति नहीं बन पाई तो अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने लाव-लश्कर के साथ अमेरिका वापस लौट गए और जाते-जाते कह गए कि यह ईरान के लिए बुरी खबर है कि कोई समझौता नहीं हुआ। लेकिन जो ईरान 28 फरवरी को अपने सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई की शहादत से लेकर मिनाब में डेढ़ सौ बच्चियों की जान जाने तक कई बुरी खबरों को झेलकर भी अपनी शर्तों पर टिका हुआ है, उसे अमेरिका भला एक वार्ता के विफल होने से क्या हिला पाएगा। असल में तो इस्लामाबाद वार्ता की असफलता अमेरिका के लिए बुरी खबर है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य की चाबी अब भी ईरान के हाथ में ही है और इससे भी बढ़कर उसके पास सिर न झुकाने का जो जज्बा है, वो ट्रंप जैसे नेताओं के पास नहीं है। ट्रंप नेतन्याहू की मर्जी से युद्ध छेड़ते हैं और समझौता भी नहीं कर पाते, क्योंकि नेतन्याहू ऐसा नहीं चाहते। बीते दिनों न्यूयार्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें बताया गया कि बेंजामिन नेतन्याहू 11 फरवरी को अमेरिका में थे, जहां उन्होंने ट्रंप के सामने एक पूरी रणनीति बताई थी कि ईरान पर हमला करना चाहिए, क्योंकि वह अभी कमजोर है। इससे ईरान में सत्ता बदली जा सकती है और उसके संसाधनों पर कब्जा भी किया जा सकता है। नेतन्याहू ऐसे ही प्रस्ताव पहले बराक ओबामा, जो बाइडेन और जार्ज बुश को भी दे चुके थे, लेकिन इन तीनों राष्ट्रपतियों ने अपने कार्यकाल में ऐसा कोई फैसला नहीं लिया। यह खुलासा पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने हाल ही में किया है। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप नेतन्याहू की बात मानने को मजबूर हो गए। क्या इसके पीछे एपस्टीन फाइल्स के खुलासे हैं, इस सवाल का जवाब अभी मिलना बाकी है। बहरहाल, यह वार्ता बेनतीजा रही, क्योंकि एक तरफ इजरायल लेबनान पर अपने हमले नहीं रोक रहा था, जबकि ईरान की 10 शर्तों में यह एक अहम शर्त थी कि लेबनान पर हमले रुकने चाहिए। दूसरी तरफ अमेरिका ने भी अपने रुख में इंच भर का बदलाव नहीं दिखाया। गौरतलब है कि दोनों पक्षों के बीच 5 अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य, परमाणु कार्यक्रम, युद्ध की भरपाई, ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाना और ईरान के खिलाफ तथा पूरे क्षेत्र में चल रहे युद्ध को पूरी तरह खत्म करने जैसे विषय शामिल रहे। लेकिन इन मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई। अमेरिका न ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाने के लिए तैयार हुआ, न उसने होर्मुज पर अपना रुख साफ किया। दरअसल पिछले दस दिनों में ही ट्रम्प दो बिल्कुल अलग-अलग बातें कह चुके हैं। पहले उन्होंने कहा था कि होर्मुज में अमेरिका की कोई खास दिलचस्पी नहीं है, अमेरिका को वहां से गुजरने वाले तेल की जरूरत नहीं है। फिर कुछ ही दिनों बाद उन्होंने कहा कि यह अमेरिका की मांगों का सबसे जरूरी हिस्सा है, और अगर इसे खुला नहीं रखा गया तो कोई बातचीत नहीं हो सकती। वैसे यह तय है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका अपना कब्जा चाहता है, क्योंकि ईरान ने इस पर न केवल नाकेबंदी की है, बल्कि अब शुल्क वसूलने की शुरुआत भी कर दी है और ट्रंप इससे बुरी तरह चिढ़ गए हैं। ईरानी संसद से मंजूरी मिलने के बाद अब इस्लामिक रिवोलूश्यनरी गार्ड्स कॉर्प्स को होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलने का अधिकार मिल गया है। हर एक बैरल तेल पर एक डॉलर ईरान वसूलेगा, साथ ही क्रिप्टो करेंसी में भुगतान की व्यवस्था भी होगी, ताकि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का कोई असर न पड़े। ईरान की इस रणनीति से उसे आर्थिक मजबूती मिलेगी, अमेरिका को इस बात का अहसास हो चुका है। इसलिए अब उसने फिर से अपने पत्ते फेंटने शुरु किए हैं, ताकि युद्ध को जायज ठहरा सके। हालांकि इस युद्ध ने एक तरफ ईरान और खाड़ी देशों समेत पूरी दुनिया में घोर तबाही मचाई है, वहीं एक नयी वैश्विक व्यवस्था भी तैयार की है, जिसमें ईरान निस्संदेह एक आदर्श की तरह उभरा है। ईरान ने संदेश दे दिया है कि महाशक्ति की अवधारणा और उसके हौव्वे को आत्मबल से कैसे तोड़ा जा सकता है। अब अन्य देशों को भी यह प्रेरणा मिली है कि वे अमेरिकी शर्तों के आगे झुकने से इंकार करने की हिम्मत दिखाएं। वहीं इस पूरे घटनाक्रम में पाकिस्तान एक अहम किरदार की तरह उभरा है। पाकिस्तान ने पहले भी दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की थी और अब वार्ता की मेज पर ईरान और अमेरिका को लाकर उसने वैश्विक समुदाय में अपनी महत्ता बना ली है। आखिर दो युद्धरत देशों को एक मेज पर लाने का काम आसान नहीं होता। पाकिस्तान अपनी भूमिका जहां तक निभा सकता था, उसने निभाई। घोड़े को खींचकर तालाब तक लाया जा सकता है, लेकिन पानी पीना या न पीना उसकी मर्जी होती है, उसमें कोई जबरदस्ती नहीं करवाई जा सकती। इसलिए वार्ता बेनतीजा रहने के बाद भी पाकिस्तान ने कहा है कि वह आगे भी अपनी भूमिका निभाता रहेगा और आने वाले दिनों में ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत और संवाद को आगे बढ़ाने में मदद करता रहेगा।

मरा नहीं करती गीतों की शोख 'आशा'

फिल्म निर्माताओं और निर्देशकों के साथ भी उनके संबंध बेहद पेशेवर और सृजनात्मक रहे। गुरु दत्त की फिल्मों में उनकी आवाज़ ने संवेदनशीलता को नया आयाम दिया, तो विजय आनंद की फिल्मों में उनकी गायकी ने आधुनिकता और रोमांच का नया रंग भरा।

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय फ़िल्म जगत को लगातार बड़े नाम के जाने से झटका लगा है. अभी चले गए कलाकारों के गम को सिने जगत भूल भी नहीं पाया था कि 12 अप्रैल 2026 को चंचल, शोख वह रोमांटिक फिल्मी गीतों की अद्भुत गायिका, गायन क्षेत्र की लाइट हाउस, सुरों की मलिका और गीत, ग़ज़ल पॉप, के साथ-साथ भजन एवं शास्त्रीय गीतों की स्टूडियो में सबसे ज्यादा एकल गीत रिकॉर्ड करने वाली आशा भोंसले भी छोड़ कर चली गई हैं। भारतीय सिने-संगीत की समृद्ध परंपरा में आशा भोंसले का नाम एक ऐसे स्वर के रूप में दर्ज है, जिन्होने समय, शैली और सीमाओं को लगातार लांघते हुए हर पीढ़ी को अपना मुरीद बनाया। 8 सितंबर 1933 को सांगली में जन्मीं आशा, अपने समय के प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक दीनानाथ मंगेशकर की पुत्री थीं और उसी संगीत-सिक्त वातावरण में पली-बढ़ीं, जहाँ सुर ही जीवन का पहला और अंतिम सत्य था। पिता के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारियाँ अचानक उनके और बड़ी बहन लता मंगेशकर के कंधों पर आ गईं; यही वह दौर था जब बचपन ने बिना आहट युवावस्था का रूप ले लिया और संघर्ष ने उनकी आवाज़ में एक अनोखी परिपक्वता भर दी।

परिवार में बड़ी दीदी लता मंगेशकर के साथ उनका संबंध हमेशा विशेष रहा—दोनों ही बहनें अपने-अपने ढंग से संगीत की साधक थीं, और यद्यपि पेशेवर प्रतिस्पर्धा की चर्चाएँ समय-समय पर होती रहीं परंतु निजी जीवन में यह रिश्ता सम्मान, स्नेह और एक-दूसरे की कला के प्रति गहरी समझ से भरा रहा। छोटी बहन उषा मंगेशकर के साथ भी उनका रिश्ता आत्मीयता और सहयोग का रहा, जहाँ परिवार की डोर ने हर उतार-चढ़ाव में उन्हें जोड़े रखा। यह वही पारिवारिक पृष्ठभूमि थी जिसने आशा को न केवल एक महान गायिका बनाया, बल्कि जीवन के हर मोड़ पर दृढ़ बने रहने की शक्ति भी दी।

कम उम्र में उन्होंने गणपत राव भोंसले से विवाह किया, जो परिवार की इच्छा के विरुद्ध था। यह संबंध अधिक समय तक टिक नहीं सका और वैवाहिक जीवन में आए तनावों ने अंततः अलगाव का रूप ले लिया। इस टूटन ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया लेकिन यहीं से उनके जीवन का वह अध्याय शुरू हुआ, जहाँ उन्होंने अपने अस्तित्व को पूरी तरह संगीत के हवाले कर दिया। वे अपने बच्चों के साथ एक नई शुरुआत के लिए खड़ी हुईं और संघर्ष के उस कठिन दौर में भी अपनी आवाज़ को कभी थकने नहीं दिया।

फिल्मी दुनिया में शुरुआती दौर आसान नहीं था। जहां एक और उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर स्वरकोकिला के रूप में फिल्म जगत में छाई हुई थी वहीं उन्हें लंबे समय तक छोटे बजट की फिल्मों और तथाकथित 'दूसरे दर्जे' के गीतों तक सीमित रखा गया। उनकी असाधारण प्रतिभा को पहचानने वालों में सबसे प्रमुख रहे संगीतकार ओ. पी. नैय्यर जिन्होंने आशा की आवाज़ में वह चंचलता और ऊर्जा देखी, जो मुख्यधारा के संगीत में एक नई ताजगी ला सकती थी। "आईये मेहरबान" और "जरा हौले-हौले चलो" जैसे गीतों ने उन्हें नई पहचान दी। इसके बाद आर. डी. बर्मन के साथ उनका रचनात्मक और व्यक्तिगत संबंध भारतीय संगीत इतिहास की सबसे सफल साझेदारियों में गिना जाने लगा। "पिया तू अब तो आजा", "दम मारो दम" और "चुरा लिया है तुमने" जैसे गीतों ने न केवल उन्हें लोकप्रियता के शिखर पर पहुँचाया, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि वे हर शैली, चाहे वह कैबरे हो, ग़ज़ल हो या पॉप सबमें समान अधिकार से गा सकती हैं। फिल्म निर्माताओं और निर्देशकों के साथ भी उनके संबंध बेहद पेशेवर और सृजनात्मक रहे। गुरु दत्त की फिल्मों में उनकी आवाज़ ने संवेदनशीलता को नया आयाम दिया, तो विजय आनंद की फिल्मों में उनकी गायकी ने आधुनिकता और रोमांच का नया रंग भरा। संगीतकारों में खय्याम के साथ फिल्म उमराव जान के गीत "इन आँखों की मस्ती" ने उनकी गायकी के शास्त्रीय पक्ष को अमर कर दिया। इसी तरह इलैयाराजा और ए. आर. रहमान जैसे संगीतकारों के साथ भी उन्होंने समय के साथ खुद को ढालते हुए नई पीढ़ी में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखी। उनके जीवन का हर मोड़ मानो उनके गीतों में ढलता चला गया। "पिया तू अब तो आजा" में उनकी आवाज़ की बेचैनी, "दम मारो दम" में विद्रोह की धुन, "इन आँखों की मस्ती" में ठहराव और गहराई, सब उनके अपने जीवन के अलग-अलग रंगों का ही प्रतिबिंब प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि उनका संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि एक जीवंत अनुभव बन जाता है। व्यक्तिगत जीवन में आर. डी. बर्मन के साथ उनका विवाह उनके जीवन का स्थिर और सृजनात्मक दौर साबित हुआ, जहाँ दोनों ने एक-दूसरे की कला को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। उनके बच्चों, हेमंत भोंसले और वर्षा भोंसले के साथ उनका संबंध स्नेह और आत्मीयता से भरा रहा, हालांकि जीवन ने उन्हें कई व्यक्तिगत दुख भी दिए। फिल्म जगत में जहां व्यक्तिगत संबंध एवं पारिवारिक पृष्ठभूमि लाभ का सौदा रहती है और फिल्म जगत से जुड़े हुए लोगों को आसानी से प्रमोशन और किकबैक मिल जाते हैं लेकिन आशा भोंसले को लता मंगेशकर की छोटी बहन होने का लाभ कम और नुक़सान ज़्यादा हुआ।

एक ऐसा लंबा दौर उनके जीवन में आया जब सुरीली आवाज़, गायन की गहरी समझ और पूरे समर्पण के साथ हर शैली में गाने की महारत के बावजूद उनकी प्रतिभा का इस्तेमाल उतना नहीं हो पाया जितना होना चाहिए था। कई बार तो कुछ बातों को लेकर उनके लता मंगेशकर के साथ गहरे मतभेद भी चर्चा में रहे लेकिन उनके समर्पण और श्रेष्ठ गायन के चलते समय के साथ उन्हें दादा साहेब फाल्के पुरस्कार और पद्म विभूषण जैसे सर्वोच्च सम्मानों से नवाजा गया लेकिन उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि वह प्रेम है जो उन्हें करोड़ों श्रोताओं से मिला। उम्र और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के बावजूद उनका संगीत के प्रति समर्पण कभी कम नहीं हुआ। वह आख़िरी समय तक सुरों की साधना में लीन रहीं।, आशा भोंसले केवल एक गायिका नहीं, बल्कि एक युग पूरे युग की प्रतिनिधि गायिका रही हैं ,एक ऐसा युग, जिसकी हर धुन, हर गीत और हर स्वर भारतीय संगीत की आत्मा में हमेशा गूंजता रहेगा, जैसे कोई मधुर पुकार—"पिया तू... अब तो आजा..." . (अदिति फीचर्स)

डॉ घनश्याम बादल

संगीतकारों में खय्याम...

टी एन अशोक

बंगाल का आखिरी पड़ाव : मछली की कहानी, लापता वोटर और दो राष्ट्रीय नेता

बंगाल के चुनावी मौसम में आपका स्वागत है, जहां चुनाव अभियान में राजनीति, प्रचार और सरसों के तेल में कुछ तलने की महक घुली हुई है। रिकॉर्ड के लिए यह दर्ज होना चाहिए कि भारत के सबसे महत्वपूर्ण राज्य चुनावों में से एक का भविष्य अब, कम से कम प्रतीकात्मक रूप से, एक साधारण 'रोहू' मछली पर टिका है - बेरोजग़ारी पर नहीं, उद्योगीकरण पर नहीं, और निश्चित रूप से उन 75,000 करोड़ रुपये की केंद्र सरकार की परियोजनाओं पर तो बिल्कुल नहीं, जो कथित तौर पर ममता बनर्जी के दफ़्तर में धूल फांक रही हैं।राजनीति जैसे-जैसे 23 और 29 अप्रैल के मतदान के दिन नज़दीक आ रहे हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनावी अभियान के अंतिम चरण में दो ऐसे मंझे हुए पहलवानों की तरह उतरे हैं, जिन्होंने अचानक भोज को लेकर बहस करने का फ़ैसला कर लिया हो। बयानबाज़ी ज़ोरों पर है। आरोपों की बौछार हो रही है और कोलकाता के भीड़भाड़ वाले मछली बाज़ारों में कहीं, एक हैरान-परेशान मछली बेचने वाला सोच रहा है कि देश के सबसे शक्तिशाली राजनेता अचानक उसकी मछली में इतनी ज़्यादा दिलचस्पी क्यों ले रहे हैं। '15 सालों में, वे आपको मछली भी नहीं दे पाए,' मोदी ने हल्दिया में एक रैली में गरजते हुए कहा। यह एक ऐसी बात थी जो सुनने में तब तक बहुत असरदार लगती है, जब तक आप उसके पीछे के तर्क को समझने की कोशिश नहीं करते। इसके निहितार्थ— कि तृणमूल कांग्रेस के शासन में बंगाल में मछली की आपूर्ति कमज़ोर पड़ गई है— को उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी किसी अहम सूचना जैसी गंभीरता के साथ पेश किया। मोदी, जो एक ऐसी पार्टी का नेतृत्व करते हैं जो कभी-कभी भारत की बेहद विवादित 'बीफ़ बनाम ब्रिस्केट' (मांस खाने से जुड़ी) बहसों में गलत पक्ष पर खड़ी पाई गई है, के बयान से ऐसा लगा कि उन्हें खान-पान से जुड़ी एक नई एकजुटता मिल गई है। बनर्जी, जो किसी और को अपनी बातों में मसाला लगाने का मौका देकर आज इस मुकाम तक नहीं पहुंची हैं, ने इस बात को बिल्कुल भी स्वीकार नहीं किया। 'मछली तो हर बाज़ार में मिलती है,' उन्होंने उत्तरी 24 परगना में एक रैली में पलटकर जवाब दिया। उनके अंदाज़ से ऐसा लग रहा था, जैसे वह किसी बहुत ही सुस्त छात्र को कोई ऐसी बात समझा रही हों, जो अपने आप में ही सच हो। महज़ अड़तालीस घंटों के अंदर, एक ऐसा चुनावी अभियान, जो अब तक विकास, कानून-व्यवस्था और लोकतांत्रिक वैधता जैसे मुद्दों पर लड़ा जा रहा था, बड़ी ही चालाकी से एक कहीं ज़्यादा गहरे और दिल को छूने वाले मुद्दे में बदल गया। यह बात, ध्यान देने लायक है, पूरी तरह से बेमतलब नहीं है। बंगाल का 'माछ-भात' — यानी मछली और चावल — सिर्फ़ पेट भरने का ज़रिया नहीं है। यह एक पूरी जीवन-गाथा है। यह वह भोजन है, जो कैलेंडर तय करता है, त्योहारों की पहचान कराता है, और ज़ोर-शोर से यह दावा करता है कि एक बंगाली, चाहे कोई भी राजनीतिक पार्टी कुछ भी क्यों न कहे, हमेशा एक बंगाली ही रहेगा। मोदी, जो अब इस सांस्कृतिक 'पानी में उतर रहे हैं, जिसके दोहरे अर्थ हैं, एक बहुत ही महत्वाकांक्षी काम करने की कोशिश कर रहे हैं: बंगाल की पहचान के एक प्रतीक को उसी पार्टी के खिलाफ़ इस्तेमाल करना, जो लंबे समय से खुद को उस पहचान का रखवाला बताती आई है। यह कोशिश कामयाब होगी या नहीं, यह तो बाद की बात है। लेकिन अगर मछली इस चुनावी अभियान का सबसे ज़्यादा सुर्खियां बटोरने वाला विवाद है, तो 'एसआईआर'— इस अभियान का सबसे ज़्यादा विस्फोटक मुद्दा है। बनर्जी ने यह आरोप लगाया है कि 90 लाख से भी ज़्यादा नाम—जो शायद पिछले मंगलवार तक इस दुनिया में मौजूद थे— को मतदाता सूची से हटा दिया गया है। भाजपा ने इसे चुनावी मौसम का 'नाटक' कहकर खारिज कर दिया है। चुनाव आयोग ने इस मामले की जांच का वादा किया है। वहीं, बनर्जी ने यह वादा किया है कि जब तक कोई अगला आदेश नहीं आ जाता, वह पूरे ज़ोर-शोर से इस आरोप को दोहराती रहेंगी। एसआईआर विवाद की सबसे अनोखी बात यह है कि यह हर वोटर को एक संभावित पीड़ित में बदल देता है। आपका नाम लिस्ट से हटा हो, यह ज़रूरी नहीं है— आपको बस इस बात की चिंता होनी चाहिए कि कहीं आपका नाम भी तो नहीं हटा दिया गया। एक तरफ़, एक प्रधानमंत्री यह तर्क दे रहे हैं कि मछलियों की सप्लाई कम हो गई है और घुसपैठिए फल-फूल रहे हैं, जबकि 75,000 करोड़ रुपये के विकास कार्य ठप पड़े हैं; तो दूसरी तरफ़, एक मुख्यमंत्री यह तर्क दे रही हैं कि 90 लाख वोटरों के नाम वोटर लिस्ट से 'भूत' की तरह हटा दिए गए हैं, और अगर आपने इन लोगों को राज करने दिया, तो अगली बारी आपकी हिलसा मछली की होगी। राजनीतिक विश्लेषण सेवा भाजपा का आखिरी तर्क, मोटे तौर पर, शासन का हिसाब-किताब है। टीएमसी का आखिरी तर्क, मोटे तौर पर, पहचान को लेकर एक चेतावनी है। दोनों ही चुनावी अभियान को, शायद स्वाभाविक रूप से, लोकतांत्रिक राजनीति के सबसे भरोसेमंद ईंधन 'डर' पर आकर मिल गए हैं। अपनी संस्कृति खोने का डर।

मगर फिर भी...

शकील अख्तर

नेहरू से मनमोहन सिंह तक एक ही विदेश नीति हम नहीं देश बड़ा!

बड़े नेताओं का यह आत्मविश्वास होता है। और वे यह मानते हैं नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक कि बड़ा होना खुद से नहीं है महान भारत के बड़े देश होने से है। यहां तो खुद को बड़ा मानते हैं। इसीलिए स्वकेन्द्रित विदेश नीति चला रहे थे। उसी का परिणाम है पाकिस्तान को बेवजह तवज्जो मिल जाना। भारत में ताकत है फिर 'पुनर्मुषको भव' करने की। समय आएगा। देखिए कितना मजेदार इक्वेशन बन रहा है। एक तरफ इजराइल और अरब देशों के बीच कई जंग हो चुकी हैं। दोनों एक दूसरे की शक्ल भी देखना नहीं चाहते। मगर दोनों ईरान को बरबाद होता देखना चाहते हैं। अमेरिका पर दोनों का दबाव है कि ईरान को खत्म कर दो। लेकिन ईरान ने बता दिया कि यह ख्याली पुलाव हैं। पिछले डेढ़ महीने से वह जिस तरह अमेरिका और इजराइल से लड़ा युद्ध इतिहास में वह बहादुरी की नई मिसाल है। यह कुछ नेपोलियन बोनापार्ट की याद दिलाता है कि कहां है पहाड़ (आल्पस)? वैसे ही ईरान की बहादुर जनता और नेतृत्व कह रहा है कि कौन है अमेरिका और इजराइल? भारत की आजादी के लिए जनता ऐसे ही खड़ी हुई थी। और वह अंग्रेज सरकार जिसके राज में सूरज नहीं डूबता था उसे भारत छोड़कर भागना पड़ा। और उसके बाद हर जगह से ऐसी ही दुर्दशा हुई। तत्काल बाद ही उसे स्वेज नहर पर दावा छोड़ना पड़ा। और वह मिस्र की नहर हो गई। उस समय इजराइल ब्रिटेन के साथ आया था। आज के होर्मुज स्ट्रेट (जलडमरूमध्य) की तरह उस समय स्वेज नहर तेल के जहाज लाने का मुख्य जलमार्ग था। 1956 की बात है नेहरू थे। अन्तरराष्ट्रीय नेता। उनके प्रयासों से वह संकट हल हुआ था। लेकिन इस समय हम नेहरू के अन्तरराष्ट्रीय रुतबे की बात करना नहीं चाह रहे। भक्तों, गोदी मीडिया और भाजपा के नेताओं को बहुत दुख होगा। नेहरू को ही तो छोटा बताने के लिए यह सब रात-दिन काम कर रहे हैं। बाकी तो विश्व में हमारी स्थिति नगण्य बना ही दी है। बहरहाल बात हो रही थी कि जनता की बहादुरी की। तो हम बता रहे थे कि एक बार बहादुर जनता से मात खाने के बाद बड़ी से बड़ी विश्व शक्ति के भी हौसले टूट जाते हैं। भारत की जनता से हार कर ग्रेट ब्रिटेन इजराइल मिस्र से भी हारे थे। स्वेज नहर से ब्रिटेन के जहाज को टोल टैक्स देकर निकलना पड़ा था। हार का असर यही होता है। ग्रेट ब्रिटेन भारत की जनता से हारने के बाद मिस्र से भी हारा। ईरान की जनता इस बात को बखूबी समझती है। इसलिए इतनी लंबी लड़ाई, इतने नुकसान के बाद भी वह अपने नेतृत्व से नहीं कह रही कि समझौता करो। निकलो इस से। नहीं वह जानती है कि आज अमेरिका इजराइल की शर्तों पर समझौता उसे हमेशा के लिए वैसा ही गुलाम बना देगा जैसा बाकी अरब देश हैं। हम चाह नहीं रहे नेहरू का लिखना। दोस्तों को तकलीफ पहुंचती है। मगर क्या करें यह नेहरू हैं ही ऐसी चीज की सिर्फ भारत नहीं दुनिया के किसी भी उलझे हुए मुद्दे पर उनकी भूमिका याद आ जाती है। होना तो यह चाहिए था कि देश के सम्मान का ख्याल करके वर्तमान सरकार और उसके समर्थक नेहरू के महान रोल को और दुनिया के सामने पेश करते। लेकिन यहां कहानी उलटी है। नेहरू का कद छोटा करके समझते हैं।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

सौरभ वार्ष्णेय

अमेरिका -ईरान की वार्ता फेल होने के मायने

अमेरिका और ईरान के बीच चल रही शांति वार्ता का असफल होना केवल दो देशों के रिश्तों में दरार भर नहीं है बल्कि इसका असर पूरे पश्चिम एशिया की स्थिरता, वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर पडने वाला है। यह विफलता कई स्तरों पर गंभीर संकेत देती है। यह पश्चिम एशिया की जटिल भू-राजनीति, अविश्वास और क्षेत्रीय शक्तियों की प्रतिस्पर्धा का भी प्रतिबिंब है। ऐसे में यह कहना कि इस विफलता के लिए पाकिस्तान पूरी तरह जिम्मेदार है, एक अतिसरलीकरण होगा—हालांकि उसकी भूमिका को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। यह वार्ता ही बेईमानी थी कि क्योंकि लेबनान में इजरायल की बमबारी कर रहा था जिस पर ईरान ने अपना विरोध दर्ज कराया था। वहीं ईरान की दस सूत्री बातें अमेरिका शुरु से मानने से इंकार कर रहा था। अब ऐसे में वार्ता हुई जो बताया जा रहा है पाकिस्तान ने एक दूसरे देश की बातें साझा की जो वार्ता का हल ही अस्पष्ट कर देती है। पाकिस्तान से जाते समय अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी बेंस ने भी वार्ता फेल की जानकारी दी। इस शांति वार्ता के फेल होने के कई कारण हैं। सबसे पहले, यह क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ाने का संकेत है। पहले से ही इजशयल, लेबनान, यमन और खाड़ी क्षेत्र में तनाव मौजूद है। ऐसे में वार्ता का टूटना टकराव की संभावना को और बढ़ा सकता है। ईरान समर्थित समूहों और अमेरिका समर्थित शक्तियों के बीच परोक्ष संघर्ष तेज हो सकता है। दूसरा बड़ा प्रभाव वैश्विक तेल बाजार पर पड़ सकता है। ईरान एक बड़ा तेल उत्पादक देश है और उस पर लगे प्रतिबंधों में ढील की उम्मीद से बाजार में संतुलन बन सकता था लेकिन वार्ता विफल होने से तेल की कीमतों में अस्थिरता बढ़ सकती है जिसका असर भारत जैसे आयातक देशों पर सीधे पड़ेगा। तीसरा, यह अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की सीमाओं को उजागर करता है। वर्षों से चल रही बातचीत के बावजूद यदि कोई ठोस परिणाम नहीं निकलता तो यह दर्शाता है कि आपसी अविश्वास और राजनीतिक हित शांति के रास्ते में बड़ी बाधा बने हुए हैं। इससे भविष्य में अन्य वैश्विक वार्ताओं पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। चौथा, परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंताएं और बढ़ेंगी। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने का उद्देश्य इस वार्ता का मुख्य आधार था। अब इसके विफल होने से परमाणु हथियारों की होड़ तेज होने का खतरा है, जिससे वैश्विक सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लग सकता है। यह विफलता एक चेतावनी है कि केवल बातचीत की मेज पर बैठना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि विश्वास निर्माण और ठोस राजनीतिक इ'छाशक्ति भी जरूरी है। यदि विश्व शक्तियां समय रहते समाधान नहीं निकाल पातीं, तो इसका खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ सकता है। वहीं पाकिस्तान की भूमिका की बात की जाये तो पाकिस्तान लंबे समय से अमेरिका और ईरान दोनों के साथ संतुलन साधने की कोशिश करता रहा है। एक ओर वह अमेरिका का रणनीतिक साझेदार रहा है, वहीं दूसरी ओर ईरान के साथ उसकी भौगोलिक निकटता और ऊर्जा हित जुड़े हुए हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाने की इच्छा जताई है लेकिन उसकी आंतरिक अस्थिरता, सीमित कूटनीतिक प्रभाव और सुरक्षा चुनौतियाँ उसे एक प्रभावी मध्यस्थ बनने से रोकती हैं। इसके अलावा, पाकिस्तान की भूमिका को लेकर संदेह भी बना रहता है। अमेरिका को यह आशंका रही है कि पाकिस्तान क्षेत्र में अपने हितों को साधने के लिए ईरान के साथ दोहरी नीति अपनाता है जबकि ईरान भी पाकिस्तान की सऊदी अरब के साथ निकटता को लेकर सतर्क रहता है। ऐसे में यदि वार्ता के दौरान पाकिस्तान की कोई अप्रत्यक्ष भूमिका रही भी हो, तो वह निर्णायक नहीं कही जा सकती। वास्तव में, अमेरिका और ईरान के बीच अविश्वास की खाई बहुत गहरी है—परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंध, और क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से टकराव चला आ रहा है। इन मूल मुद्दों का समाधान किए बिना किसी तीसरे देश को दोष देना वास्तविकता से मुंह मोडने जैसा होगा। पाकिस्तान इस कूटनीतिक परिदृश्य में एक सीमित और परोक्ष भूमिका निभाता है, लेकिन वार्ता की विफलता का मुख्य कारण नहीं है। यह विफलता अधिकतर अमेरिका और ईरान के बीच गहरे मतभेदों और पारस्परिक अविश्वास का परिणाम है, जिसे किसी एक बाहरी कारक पर थोपना न तो उचित है और न ही व्यावहारिक। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका का ईरान के प्रति रुख एक जटिल रणनीतिक संतुलन पर टिका हुआ दिखाई देता है। एक ओर वह प्रत्यक्ष युद्ध से बचना चाहता है, तो दूसरी ओर ईरान की क्षेत्रीय गतिविधियों और परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर सख्त नियंत्रण भी बनाए रखना चाहता है। यही द्वंद्व आने वाले समय में उसकी नीति की दिशा तय करेगा। सबसे पहले, अमेरिका की प्राथमिकता पूर्ण युद्ध से बचाव है। इराक, अफगानिस्तान जैसे लंबे और महंगे सैन्य अभियानों के अनुभव ने उसे सिखाया है कि मध्य-पूर्व में सीधा युद्ध केवल अस्थिरता बढ़ाता है। इसलिए वह ईरान के साथ सीधे सैन्य टकराव के बजाय नियंत्रित दबाव की नीति अपना रहा है। दूसरा, अमेरिका आर्थिक और कूटनीतिक प्रतिबंधों को और सख्त कर सकता है। ईरान के तेल निर्यात, बैंकिंग प्रणाली और रक्षा सहयोग पर रोक लगाकर वह उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने की कोशिश करेगा। साथ ही, वह यूरोपीय देशों और खाड़ी सहयोगियों को भी अपने साथ जोड़कर एक संयुक्त मोर्चा बनाने की दिशा में काम करेगा। तीसरा, अमेरिका की रणनीति में प्रत्यक्ष नहीं, परोक्ष सैन्य उपस्थिति भी महत्वपूर्ण रहेगी। खाड़ी क्षेत्र में अपने सैन्य ठिकानों को मजबूत करना, इजरायल और सऊदी अरब जैसे सहयोगियों को समर्थन देना, और जरूरत पडने पर सीमित सैन्य कार्रवाई करना—ये सभी कदम उसकी डिटरेंस नीति का हिस्सा होंगे। चौथा, कूटनीति के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं होंगे। अमेरिका यह समझता है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नियंत्रित करने का सबसे प्रभावी तरीका बातचीत ही है। इसलिए भविष्य में नई शर्तों के साथ किसी नए परमाणु समझौते की संभावना बनी रहेगी, भले ही वर्तमान हालात तनावपूर्ण क्यों न हों। अमेरिका का रुख एक दोहरी रणनीति पर आधारित रहेगा—एक तरफ दबाव और प्रतिबंध, दूसरी तरफ संवाद और समझौते की कोशिश। यह नीति तत्काल समाधान तो नहीं देगी लेकिन क्षेत्र में बड़े युद्ध को टालने और अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करने का प्रयास अवश्य करेगी। देखना होगा कि युद्ध किसी मसले का हल नहीं है जबकि ऐसे में जब ईरान होर्मूज पर कब्जा कर बैठा है। अगर जैसा कि ईरान धमकी दे रहा है कि उसने होर्मूज में अपनी माइंस की लोकेशन मिल नहीं रही या इंटरनेट की केबिल काट देगा? यानी फिलाहल विश्व का ऊर्जा संकट टालने हेतू ईरान से शांति वार्ता बेहद जरूरी है।

फाइनल में चीनी खिलाड़ी से हारे, 60 साल बाद कोई भारतीय खिताबी मुकाबला खेल रहा था

आयुष शेट्टी ने एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप में सिल्वर जीता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय शटलर आयुष शेट्टी को बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। फाइनल मुकाबले में उन्हें चीन के शी यू की के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। 60 सालों के बाद किसी भारतीय ने चैंपियनशिप के मेंस सिंगल्स कैटेगरी के फाइनल में जगह बनाई थी। आयुष से पहले दिनेश खन्ना ने 1965 में मेंस सिंगल्स में गोल्ड जीता था। रविवार को चीन के झेजियांग में खेले गए फाइनल में आयुष का मुकाबला दुनिया के नंबर-2 खिलाड़ी शी यू की से था।

20 साल के आयुष यह मैच 8-21, 10-21 से सीधे गेम में हार गए। बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप 1962 से खेली जा रही है। टूर्नामेंट में यह भारत का कुल 19वां मेडल है। भारत ने अब तक 2 गोल्ड, 1 सिल्वर (आयुष) और 16 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं।

1965 में दिनेश खन्ना ने सिंगल्स में और 2023 में सात्विक-चिराग की जोड़ी ने मेंस डबल्स में गोल्ड जीता था। भारत का इस टूर्नामेंट में अब तक का प्रदर्शन देखें तो देश ने 2 गोल्ड, 1 सिल्वर और 16 ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए हैं।

भारत को दूसरा गोल्ड 2023 में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने मेंस डबल्स में दिलाया था।आयुष शेट्टी का यह प्रदर्शन आने वाले समय में भारतीय बैडमिंटन के लिए नई उम्मीदें जगाता है। कम उम्र में इस स्तर पर पहुंचना यह दर्शाता है कि वे भविष्य में देश को और बड़े खिताब दिला सकते हैं।

फाइनल मुकाबले में आयुष को चीन के शी यू की के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

सेमीफीइनल में डिफेंडिंग चैंपियन को हराया

इस पूरे टूर्नामेंट में आयुष का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने वर्ल्ड नंबर 1, वर्ल्ड नंबर 4 और वर्ल्ड नंबर 7 जैसे टॉप रैंक वाले खिलाड़ियों को हराया था। शनिवार को हुए सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-25 आयुष ने डिफेंडिंग चैंपियन और नंबर-1 प्लेयर कुन्लावत वितिदसर्न को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी।

सिल्वर मेडल जीतने वाले पहले भारतीय

इस हार के बावजूद आयुष ने अपने करियर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वो बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतने वाले पहले भारतीय मेंस शटलर बन गए हैं। इससे पहले 1965 में दिनेश खन्ना ने इस टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीता था। खन्ना के बाद फाइनल तक का सफर तय करने वाले आयुष पहले भारतीय खिलाड़ी हैं।

200 मीटर रेस में बोल्ट से भी तेज निकले गाउट

सिडनी, एजेंसी

एथलेटिक्स की दुनिया में रविवार को एक ऐसा चमत्कार हुआ, जिसने भविष्य की सुनहरी झलक पेश कर दी। सिडनी ओलिंपिक पार्क एथलेटिक सेंटर में 18 वर्षीय स्प्रिंट सनसनी गाउट गाउट ने 200 मीटर के फाइनल में 19.67 सेकंड का अविश्वसनीय समय निकालकर इतिहास रच दिया। यह समय न केवल महान उसैन बोल्ट के रिकॉर्ड से तेज है, बल्कि इसने ऑस्ट्रेलियाई एथलेटिक्स के एक नए युग का सूत्रपात भी कर दिया है। खेल इतिहास में तुलनाएं अक्सर की जाती हैं, लेकिन गाउट ने आंकड़ों से अपनी श्रेष्ठता साबित की। साल 2004 में उसैन बोल्ट ने 18 साल की उम्र में 19.93 सेकंड का समय निकाला था। ऑस्ट्रेलियन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में गाउट ने उनसे कहीं आगे निकलते हुए 19.67 सेकंड में फिनिश लाइन पार की और गोल्ड मेडल जीता। यह इस साल दुनिया का सबसे तेज समय है। गाउट के लिए यह जीत एक भावनात्मक पल भी थी। पिछले साल उन्होंने 19.84 सेकंड का समय निकाला था, लेकिन वह 'अवैध टेलविंड' के कारण आधिकारिक नहीं हो सका था। इस बार 1.7 मीटर प्रति सेकंड की वैध हवा की गति के साथ उन्होंने रफ्तार पर मुहर लगा दी।

क्रिकेटर अर्शदीप रूमर्ड गर्लफ्रेंड समरीन संग दिखे

मोहाली। इंडियन क्रिकेटर अर्शदीप सिंह और रूमर्ड गर्लफ्रेंड मॉडल समरीन कौर के साथ पहली बार चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर नजर आए। दोनों आपस में बात करते हुए जा रहे थे। इस दौरान फैंस ने उनका वीडियो बना लिया। इसके अलावा पंजाब किंग्स की टीम मुंबई में मैच खेलने गई है। कल (12 अप्रैल) शाम को मॉडल समरीन कौर ने सोशल मीडिया पर मुंबई स्थित गेटवे ऑफ इंडिया की फोटो शेयर की थी। इसके बाद क्रिकेटर अर्शदीप ने भी माइक टेस्टिंग के बहाने स्नैपचैट पर इसी जगह की स्टोरी शेयर की। इससे फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि दोनों साथ में ही घूम रहे हैं। वह एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि इस रिश्ते को लेकर अर्शदीप सिंह या समरीन कौर ने अभी औपचारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। उधर, अर्शदीप के पिता दर्शन सिंह ने बताया कि यह अर्शदीप का निजी मामला है। वह उसकी गर्लफ्रेंड या मंगेतर जो भी है, इसमें मीडिया से संबंधित कोई मामला नहीं है। वह किससे शादी करेगा, यह उसका निजी फैसला है।वहीं मां बलजीत कौर ने कहा कि लोग सोशल मीडिया पर पता नहीं क्या डाल देते हैं, लेकिन इस मामले में कोई सच्चाई नहीं है।

फास्ट न्यूज़

थलापति विजय की फिल्म 'जन नायकन' ऑनलाइन लीक

मुंबई। तमिल सुपरस्टार थलापति विजय की अपकमिंग फिल्म 'जन नायकन' ऑनलाइन लीक होने के बाद इंडस्ट्री में चिंता बढ़ी है। फिल्म की फीमेल लीड एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने इसे दुखद बताया और दर्शकों से इसे थिएटर में देखने की अपील की। पूजा हेगड़े ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा कि फिल्म सिर्फ एंटरटेनमेंट नहीं, बल्कि हजारों लोगों की मेहनत, क्रिएटिविटी और त्याग का नतीजा होती है।

पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट अकाउंट में 7.5% तक ब्याज

सरकार ने अप्रैल-जून तिमाही (Q1FY27) के लिए स्मॉल सेविंग स्कीम्स की ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया है। यानी आपको पहले जितना ही ब्याज मिलता रहेगा। अगर आप इन दिनों फिक्स्ड डिपॉजिट कराने का प्लान बना रहे हैं तो तो इससे पहले पोस्ट ऑफिस की नेशनल सेविंग्स टाइम डिपॉजिट अकाउंट के बारे में भी जान लेना चाहिए। नेशनल सेविंग्स टाइम डिपॉजिट अकाउंट में अधिकतम ब्याज 7.5% मिल रहा है ऐसे में रूल 72 के अनुसार अगर आप इस स्कीम में पैसा लगाते हैं तो पैसे को डबल होने में करीब 9 साल 6 महीने का समय लगेगा। फाइनेंस का यह खास नियम है रूल ऑफ 72। एक्सपर्ट्स इसे सबसे सटीक रूल मानते हैं, जिससे यह तय किया जाता है कि आपका निवेश कितने समय में डबल हो जाएगा। इसे आप ऐसे समझ सकते हैं कि अगर आपने बैंक के एक खास स्कीम का चयन किया है।

सेंसेक्स 550 अंक गिरकर 77,000 पर कारोबार कर रहा

मुंबई। आज यानी सोमवार, 13 अप्रैल को सेंसेक्स 550 अंक (0.71%) की गिरावट के साथ 77,000 पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 170 अंकों (0.72%) की गिरावट है, ये 23,870 के स्तर पर आ गया है। आज के कारोबार में रियल्टी शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी है, जबकि ऑटो के शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली है।

गुरुग्राम में एंबियंस मॉल पहुंचे एक्टर राव राजकुमार

फिल्म टोस्टर की को-स्टार सानिया के साथ दी परफॉर्मेंस

गुरुग्राम, एजेंसी

गुरुग्राम शहर में रविवार देर शाम बॉलीवुड स्टार राजकुमार राव और उनकी को-स्टार सान्या मल्होत्रा एंबियंस मॉल पहुंचे। उन्होंने फैंस के साथ खूब वक्त बिताया और आगामी फिल्म टोस्टर के बारे में रोचक चर्चा की। राजकुमार राव गुरुग्राम के मूल निवासी हैं और एक पुराने स्कूल के दोस्त ने उनसे पूछा, "भाई, ब्लू बेल्स के दिन याद हैं। राजकुमार राव ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि "हां यार, मुझे सब याद है। इस बातचीत ने पूरे माहौल को और भी गर्म कर दिया। अभिनेता ने फैंस के साथ सेल्फी ली, ऑटोग्राफ दिए और फिल्म की कहानी के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि फिल्म 'टोस्टर' एक डार्क कॉमेडी है, जिसमें राजकुमार राव कंजूस (मिजर) रामकांत की भूमिका में हैं। कहानी एक साधारण टोस्टर गिफ्ट से शुरू होती है, जो धीरे-धीरे हत्या और अराजकता तक पहुंच जाती है। कोस्टार सान्या मल्होत्रा उनकी पत्नी की भूमिका में हैं। फिल्म में अर्चना पूरन सिंह, अभिषेक बनर्जी, फराह खान समेत कई दिग्गज कलाकार भी शामिल हैं। यह फिल्म राजकुमार राव और उनकी पत्नी पात्रालेखा के प्रोडक्शन हाउस कंपा फिल्म की पहली प्रोडक्शन है। यह 15 अप्रैल 2026 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है।

प्रियंका ने गोल्डन टेंपल में माथा टेका

लंगर हॉल में जूठे बर्तन मांजे, अमृतसर में शूटिंग कर रहीं थी, 12 दिन में दूसरी बार आईं

अमृतसर, एजेंसी

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल पहुंचीं। यहां उन्होंने दरबार साहिब में माथा टेका। इसके बाद वह लंगर हॉल में गईं, जहां उन्होंने करीब डेढ़ घंटे तक बर्तन धोने की सेवा की। साथ ही लंगर के अन्य कामों में भी सहयोग किया। प्रियंका चोपड़ा पिछले कुछ दिनों से अमृतसर में अपनी आने वाली फिल्म 'अमरी' की शूटिंग कर रही थीं।

बीती रात उनकी शूटिंग पूरी हुई और काम खत्म होते ही वह सीधे गोल्डन टेंपल पहुंच गईं। वह व्हाइट कलर का शूट पहने नजर आईं। उनका सिर दुपट्टे से ढंका हुआ रहा। प्रियंका चोपड़ा आम श्रद्धालु की तरह यहां रही। हालांकि उन्होंने मीडिया से बात नहीं की। यह 12 दिन के भीतर उनकी दूसरी यात्रा है। इससे पहले वह 31 मार्च को भी यहां आई थीं और उस समय भी उन्होंने लंगर हॉल में सेवा की थी।

फिर क्या था, प्रियंका ने बतौर सिंगर करियर की दूसरी पारी शुरू की। इंग्लिश गानों से हॉलीवुड में जगह बनाने वालीं प्रियंका के लिए ये बदलाव अहम साबित हुआ।

जहां भारत में जेंडर पे गेप एक अहम बहस का मुद्दा है, वहीं प्रियंका ने हॉलीवुड एक्टर्स के बराबर फीस लेकर इतिहास रचा। वो हॉलीवुड में सबसे ज्यादा काम करने वाली इंडियन एक्ट्रेस हैं।

फिल्म की शूटिंग खत्म होने के बाद गोल्डन टेंपल पहुंची प्रियंका चोपड़ा।

18 साल की उम्र में 90 देशों की कंटेस्टेंट्स को पछाड़ मिस वर्ल्ड बनीं

उत्तर प्रदेश के बरेली में जन्मीं प्रियंका चोपड़ा ने बचपन में कभी रंगभेद का सामना किया, तो कभी तानों से बचने के लिए बाथरूम में छिपकर खाना खाया।

इन सबके बावजूद उन्होंने महज 18 साल की उम्र में 90 देशों की खूबसूरत कंटेस्टेंट्स को पीछे कर 2000 में मिस वर्ल्ड का खिताब अपने नाम किया।

मिस वर्ल्ड जीतने के बाद प्रियंका ने पहले तमिल सिनेमा में एंट्री ली और फिर बॉलीवुड में। प्रियंका ने लगातार ऐतराज, कृष, फैशन, डॉन 2, अग्निपथ जैसी बेहतरीन फिल्मों में काम करते हुए खुद को बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस के बीच ला खड़ा किया, लेकिन फिर 2015 के बाद उन्होंने अचानक इंडस्ट्री छोड़ दी।

सालों बाद प्रियंका ने एक पॉडकास्ट में बताया कि उन्होंने अपनी मर्जी से बॉलीवुड इंडस्ट्री से दूरी नहीं बनाई थी, बल्कि उन्हें कॉर्नर किया गया था।

उन्हें मनमुताबिक काम नहीं दिया जा रहा था और वो लगातार होती पॉलिटिक्स से थक चुकी थीं। फिल्में मिलनी बंद हुईं तो प्रियंका की मां ने उनसे कहा था- तुम्हें कमाई का कोई दूसरा जरिया ढूंढना चाहिए।

शादी करूंगा, नहीं मिली तो डिप्लोमेटिक रिश्ते तोड़ेंगे, तुर्किश एयरलाइंस पर भी रोक लगा देंगे

युगांडा आर्मी चीफ ने तुर्किये से सबसे खूबसूरत महिला मांगी

कम्पाला, एजेंसी

युगांडा के आर्मी चीफ और राष्ट्रपति के बेटे मुहूजी कैनेरुगाबा ने तुर्किये से 1 अरब डॉलर (9000 करोड़) और देश की 'सबसे खूबसूरत महिला' को अपनी पत्नी बनाने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं हुई तो तुर्किये से कूटनीतिक संबंध खत्म कर दिए जाएंगे और तुर्किश एयरलाइन पर रोक लगाई जा सकती है। कैनेरुगाबा ने X पर लिखा कि अगर तुर्किये ने हमारी समस्याओं का समाधान नहीं किया, तो 30 दिन में संबंध तोड़ दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि या तो वे भुगतान करें या हम उनका दूतावास बंद कर देंगे। उन्होंने युगांडावासियों को तुर्किये यात्रा से बचने की सलाह दी और इजराइल के समर्थन में 1 लाख सैनिक भेजने की पेशकश की। हालांकि, इस पर तुर्किये की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वे धीरे-धीरे खुद को राजनीति में स्थापित कर रहे हैं और भविष्य में राष्ट्रपति पद की दावेदारी कर सकते हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल मुहूजी कैनेरुगाबा युगांडा के एंटेबे में अपनी जन्मदिन की पार्टी के दौरान। फोटो 7 मई 2022 की है।

सोमालिया मिशन का हवाला देकर 1 अरब डॉलर मांगे

कैनेरुगाबा ने पोस्ट में तुर्किये पर आरोप लगाया कि उसने सोमालिया में इंफ्रास्ट्रक्चर, पोर्ट और एयरपोर्ट प्रोजेक्ट्स से फायदा उठाया, जबकि युगांडा ने अल-शबाब जैसे आतंकी संगठनों से लड़ने का बोझ उठाया। इसी आधार पर उन्होंने 1 अरब डॉलर की मांग की। हाल ही में भी कैनेरुगाबा ने सोशल मीडिया पर कई विवादित पोस्ट किए हैं।

इसी बीच, कैनेरुगाबा ने कुछ दिन पहले एक्स अकाउंट हटा दिया था। फिर उन्होंने 'आई एम बैक' लिखकर वापसी की घोषणा की और कहा था कि वे दुनिया को हिला देंगे। वापसी के बाद उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को आदेश दिया कि जो भी व्यक्ति सेना जैसी वर्दी में दिखे, उसे तुरंत गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने एक अमेरिकी राजनयिक को गिरफ्तार करने की धमकी दी, अगर वह उन्हें सलाम नहीं करता। 50 साल के कैनेरुगाबा को पिता और राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी का संभावित उत्तराधिकारी माना जाता है। हालांकि मुसेवेनी ने इससे इनकार किया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस का समर्थन किया

इससे पहले उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध में व्लादिमीर पुतिन का समर्थन किया था और केन्या के तुर्काना समुदाय को लेकर भी विवादित बयान दिए थे। फरवरी 2022 में उन्होंने ट्वीट कर कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सही हैं और दुनिया के कई अश्वेत लोग रूस के साथ हैं। इसके बाद मार्च 2023 में उन्होंने यह भी कहा कि अगर मॉस्को पर कोई खतरा आया, तो युगांडा अपनी सेना भेजेगा। वहीं अक्टूबर 2022 में उनके एक और बयान से केन्या के साथ रिश्ते बिगड़ गए। उन्होंने कहा कि उनकी सेना दो हफ्ते से भी कम समय में नैरोबी पर कब्जा कर सकती है। इस बयान के बाद उनके पिता और राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी को केन्या से माफी मांगनी पड़ी। 2022 में उन्होंने केन्या पर हमला करने की धमकी भी दी थी। उन्होंने कहा था कि नैरोबी पर कब्जा करने में दो हफ्ते भी नहीं लगेंगे। इसके बाद उन्हें अस्थायी रूप से पद से हटा दिया गया था और सरकार को माफी मांगनी करनी पड़ी थी। यह पहला मौका नहीं है जब उन्होंने इस तरह की मांग की हो। 2022 में उन्होंने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से शादी के बदले 100 गाय देने की पेशकश की थी। उस समय उन्होंने कहा था कि अगर इटली ने प्रस्ताव ठुकराया, तो रोम पर कब्जा करना पड़ेगा।

पाकिस्तान को 46,500 करोड़ की मदद देंगे सऊदी-कतर

इससे यूएई का 29,000 करोड़ कर्ज चुकाएगा, पैसे लौटाने के लिए सिर्फ 11 दिन बाकी

इसलामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान को सऊदी अरब और कतर से 5 अरब डॉलर (लगभग 46,500 करोड़ रुपए) की वित्तीय मदद मिलेगी। यह मदद ऐसे समय में आ रही है, जब देश को इस महीने के अंत तक UAE को 3.5 अरब डॉलर (लगभग 29,000 करोड़ रुपए) चुकाने हैं। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की कमजोर विदेशी मुद्रा स्थिति संभालने के लिए यह मदद अहम मानी जा रही है। UAE ने हाल ही में कर्ज रोलओवर की नीति में बदलाव किए थे। इसके बाद पाकिस्तान ने अप्रैल तक UAE का 3.5 अरब डॉलर का कर्ज चुकाने का फैसला किया। तय शेड्यूल के मुताबिक 23 अप्रैल तक पाकिस्तान को इस कर्ज की आखरी किस्त देनी है। इसका मतलब कर्ज चुकाने के लिए सिर्फ 11 दिन का समय बाकी है। इसके अलावा, अप्रैल में पाकिस्तान को कुल करीब 4.8 अरब डॉलर चुकाने हैं, जिसमें एक बड़ा बॉन्ड भी शामिल है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ दोहा में कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से मुलाकात करते हुए। फोटो 31 अक्टूबर, 2024 की है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ दोहा में कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से मुलाकात करते हुए। फोटो 31 अक्टूबर, 2024 की है। IMF की पाकिस्तान में पैसे बनाए रखने की शर्त IMF ने पाकिस्तान की खराब आर्थिक स्थिति को संभालने के लिए 3 साल का प्रोग्राम शुरू किया है, जिसके तहत उसे करीब 7 अरब डॉलर की मदद मिलेगी। इसके बदले IMF ने शर्त रखी है कि पाकिस्तान के बड़े कर्जदाता सऊदी अरब, चीन और UAE अपने कर्ज के पैसे 3 साल तक तक पाकिस्तान में ही रखेंगे, यानी वे पैसा वापस नहीं निकालेंगे।

गिरावट : ईरान जंग से 45 दिन में सोना ₹9 हजार गिरा, चांदी ₹29 हजार नीचे आई

चांदी में ₹2,753 की गिरावट, सोना ₹246 सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और ईरान-इजराइल के बीच जारी टकराव के असर से देश में सोना और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। निवेशकों के बदलते रुख और वैश्विक आर्थिक संकेतों के चलते कीमती धातुओं की चमक फिलहाल फीकी पड़ती नजर आ रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, एक किलो चांदी की कीमत में 2,753 रुपए की गिरावट आई है, जिसके बाद यह 2.37 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले 10 अप्रैल को चांदी 2.40 लाख रुपए प्रति किलो पर थी। वहीं, 24 कैरेट सोने के दाम भी घटे हैं। 10 ग्राम सोना 246 रुपए सस्ता होकर 1,50,081 रुपए पर पहुंच गया है। शुक्रवार को यह 1,50,327 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। अगर पिछले डेढ़ महीने के ट्रेंड पर नजर डालें तो सोना करीब 9,016 रुपए और चांदी 29,519 रुपए तक सस्ती हो चुकी है। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, इस गिरावट के पीछे कई बड़े कारण हैं। मिडिल ईस्ट में युद्ध जैसे हालात के चलते निवेशक जोखिम से बचने की रणनीति अपना रहे हैं। वे गोल्ड और सिल्वर जैसी संपत्तियों को बेचकर नकदी इकट्ठा कर रहे हैं, ताकि अनिश्चितता के माहौल में लिक्विडिटी बनी रहे। इस साल जनवरी में सोना-चांदी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। ऐसे में बड़े निवेशकों ने मुनाफा वसूली (प्रॉफिट बुकिंग) करते हुए अपनी होल्डिंग बेच दी। इससे बाजार में सप्लाई बढ़ी और कीमतों पर दबाव बना। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के सख्त रुख ने भी सोना-चांदी की कीमतों को प्रभावित किया है। ब्याज दरें ऊंची रहने से निवेशक ब्याज देने वाले साधनों की ओर ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं, जिससे कीमती धातुओं में निवेश कम हुआ है।

अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें

ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी: एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।

खरीदारी की मात्रा: दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है।

लोकल ज्वेलर्स एसोसिएशन: राज्य और शहर के ज्वेलर्स एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं।

पुराना स्टॉक और खरीद मूल्य: ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

2. कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

पहली बार एआई से बनाई 17,000 करोड़ की कंपनी

सिर्फ दो भाई संभालते हैं काम, सैम ऑल्टमैन की 1 बिलियन डॉलर वाली भविष्यवाणी सच हुई

वॉशिंगटन, एजेंसी

लॉस एंजेलिस में रहने वाले 41 साल के मैथ्यू गैलाघर ने AI से 17 हजार करोड़ की कंपनी बना दी। कंपनी का नाम मेडली है जिसे बनाने में सिर्फ दो महीने और 18 लाख रुपए खर्च हुए हैं। मेडवी एक टेलीहेल्थ स्टार्टअप है जो वजन घटाने वाली दवाओं की ऑनलाइन बिक्री और परामर्श देता है। यह इसलिए चर्चा में है क्योंकि इसका सालाना रेवेन्यू करीब 17 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। इस कंपनी में सिर्फ 2 लोग हैं। मैथ्यू और उनके भाई इलियट। मैथ्यू ने सॉफ्टवेयर का कोड, वेबसाइट का कंटेंट, विज्ञापन के लिए इमेज और वीडियो भी AI से बनाए। यहां तक कि कस्टमर सर्विस के लिए AI बॉट्स तैनात किए। दवाओं की डिलीवरी और डॉक्टरों का काम देखने के लिए मैथ्यू ने 'केयर वैलिडेट' और 'ओपनलूप' जैसे प्लेटफॉर्म्स के साथ पार्टनरशिप की है। ये कंपनियां डॉक्टरों का नेटवर्क, दवाएं और शिपिंग संभालती हैं। मेडवी AI से मार्केटिंग और कस्टमर एक्विजिशन का काम करती है। सितंबर 2024 में शुरू हुई इस कंपनी को पहले महीने में 300 और दूसरे महीने में 1,000 नए ग्राहक मिले। पहले पूरे साल में कंपनी ने करीब 3,700 करोड़ रुपए की सेल्स की। अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने कंपनी को भ्रामक विज्ञापनों के लिए चेतावनी भी दी है। इसके अलावा, कैलिफोर्निया में कंपनी पर एंटी-स्पैम कानून के उल्लंघन का मुकदमा भी दर्ज हुआ है। शुरुआत में कंपनी के AI चैटबॉट्स ने गलत कीमतें बताने जैसी गलतियां भी की थीं। मैथ्यू का कहना है कि वे ज्यादा लोग भर्ती नहीं करना चाहते क्योंकि इससे फैसले लेने में देरी होती है और खर्च बढ़ता है। हालांकि, उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि वे कभी-कभी अकेलापन महसूस करते हैं, इसलिए शायद भविष्य में 'साथ' के लिए किसी को रखें। मैथ्यू का यह पहला बिजनेस नहीं है। 2016 csx उन्होंने 'वॉच गैंग' नाम की कंपनी शुरू की थी, जिसमें 60 कर्मचारी थे।

अस्पताल की चौथी मंजिल से गिरी महिला

मौके पर ही मौत, परिजनों ने हंगामा किया, बोले- हत्या की गई

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ में एक प्राइवेट हॉस्पिटल की चौथी मंजिल से गिरकर महिला मरीज की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने हॉस्पिटल में जमकर हंगामा किया। उन्होंने अस्पताल प्रशासन पर आरोप लगाया कि महिला की हत्या की गई है। वहीं, अस्पताल की ओर से कहा गया है कि महिला ने कूदकर सुसाइड किया है। पूरा मामला बंथरा थाना क्षेत्र के जुनाबगंज स्थित प्रसाद हॉस्पिटल का सोमवार सुबह का है। मृतक महिला की पहचान बंथरा के किशुनपुर कौड़िया निवासी सीता दीक्षित (32) के रूप में हुई है। पति अभय दीक्षित रोडवेज में संविदा पर बस ड्राइवर हैं। छुट्टी वाले दिन वह इलाके में ऑटो चलाते हैं। बताया जा रहा है कि सीता दीक्षित का पिछले कुछ समय से मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं था और उनका इलाज प्रसाद हॉस्पिटल में चल रहा था। बीते रविवार को फिर से भर्ती कराया गया था। बंथरा प्रभारी निरीक्षक राणा राजेश सिंह ने बताया कि मृतक का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। इस वजह से उसका काफी दिनों से प्रसाद हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। परिजनों से अस्पताल के खिलाफ तहरीर ली गई है। उसी के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। परिजनों की मांग पर एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा ने तहरीर मांगी थी। कहा कि अस्पताल प्रशासन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जाएगी। डीसीपी दक्षिणी अमित कुमार आनंद ने कहा- मृतका की मौत अस्पताल से गिरकर हुई है। मृतक के पति अभय ने बताया- कल दिन में 3:30 से 4 बजे के बीच यहां लेकर आया था।

- महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए केजीएमयू स्थित पोस्टमॉर्टम हाउस भेजा गया।
- पुलिस मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझाया, जब नहीं माने तो उनसे तहरीर ली।

परिजन बोले- घटनास्थल पर खून क्यों नहीं दिखा?

परिजन ने आरोप लगाया- अस्पताल प्रशासन ने चौथी मंदिर से कूदकर उसके आत्महत्या करने की बात कही। इस दौरान सीसीटीवी फुटेज चेक किए गए तो तड़के 4 बजे सीता जनरल वार्ड के कमरे से बाहर निकलते नजर आई। साथ ही उसकी चप्पलें नीचे गिरती दिखीं, लेकिन सीता गिरती नहीं दिखाई दी? परिजन आरोप लगा रहे हैं कि अस्पताल के कर्मचारियों ने ही कुछ किया है। अगर वह चौथी मंजिल से कूदी है तो खून जरूर निकला होगा। अगर खून निकला है तो घटनास्थल पर खून के निशान क्यों नहीं मिले? हंगामे की सूचना पर पुलिस बल भी अस्पताल पहुंच गया।

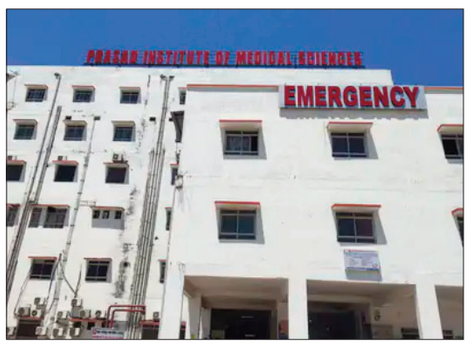

इसी हॉस्पिटल में महिला की चौथी मंजिल से गिरकर मौत हुई।

सुबह नीचे बेसुध पड़ी मिली

बताया जा रहा है कि सीता दीक्षित एक दिन पहले रविवार को तबीयत खराब होने पर खुद ही हॉस्पिटल पहुंची। पति अभय को सूचना मिली तो वह भी हॉस्पिटल गए। सीता को जनरल वार्ड में चौथी मंजिल पर भर्ती किया गया। रात में अभय भी वार्ड में ही रुके हुए थे। तड़के करीब 3 बजे अभय को झपकी लग गई। इसके बाद सीता कमरे से निकलकर कहीं चली गई। सुबह करीब 6 बजे सीता जनरल वार्ड के सामने नीचे जमीन पर बेसुध पड़ी मिली। इसके बाद अभय को सूचना दी गई। जैसे ही पता चला कि सीता की मौत हो गई, परिजनों ने मौके पर पहुंचकर हंगामा कर दिया।

स्कूल के बाहर पेरेंट्स का प्रदर्शन

गेट पर टांगा बैनर, नारे लगाए- लूट की दुकान बंद करो

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ के जानकीपुरम इलाके में सोमवार (13 अप्रैल) सुबह निजी स्कूल के खिलाफ पेरेंट्स ने जोरदार प्रदर्शन किया। स्कूल पर नए सत्र से मनमानी तरीके से फीस बढ़ाने का आरोप लगाते हुए बड़ी संख्या में मेन गेट के सामने जुटे पेरेंट्स ने बैनर टांगकर जमकर नारेबाजी की। इस दौरान 'बच्चों की शिक्षा को व्यापार बनाना बंद करो, लूट की दुकान बंद करो' जैसे नारे लगाए। इस दौरान काफी देर तक हंगामे जैसा माहौल रहा। अचानक से बड़ी संख्या में पेरेंट्स को देखकर स्कूल प्रशासन भी बैकफुट भी आता दिखा। हालांकि, स्कूल प्रशासन का कहना था कि सिर्फ गिनती के कुछ लोग साजिश के तहत गेट पर पहुंचकर हंगामा करने के मकसद से जुटे थे, जो खुद नियमित तौर पर अपने बच्चों की फीस नहीं जमा करते। प्रदर्शन कर रहे पेरेंट्स का कहना है कि, स्कूल ने बेहिसाब तरीके से फीस बढ़ाई है। यहां खुलेआम तरीके से धन उगाही की जा रही है। बावजूद इसके शिक्षा विभाग ऐसे स्कूलों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहा। पेरेंट्स ने फीस बढ़ाने के अलावा स्कूल पर कॉपी-किताब और ड्रेस के नाम पर भी जमकर वसूली करने का आरोप लगाया। मामला बढ़ता देख स्कूल की तरफ से कुछ लोगों को प्रिंसिपल से मिलने के लिए बुलाया गया पर सभी पेरेंट्स एक साथ जाने पर अड़े रहे। हालांकि, किसी तरह बातचीत के जरिए पेरेंट्स को शांत कराने की कोशिश की जा रही है। अनएडेड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने कहा कि सभी स्कूल उत्तर प्रदेश फीस रेगुलेशन एक्ट का सख्ती से पालन कर रहे हैं और कोई भी स्कूल अपने परिसर में यूनिफॉर्म, किताबें या स्टेशनरी की बिक्री नहीं कर रहा है। यदि किसी स्कूल के खिलाफ इस तरह की शिकायत मिलती है तो उसकी जांच कराई जाएगी। आरोप सही पाए जाने पर एसोसिएशन भी अपने स्तर पर कार्रवाई करेगा। हालांकि, फिलहाल इस पूरे मामले पर उन्होंने कुछ कहने से इनकार कर दिया। अनिल अग्रवाल ने कहा कि यदि किसी स्कूल के खिलाफ इस तरह की शिकायत मिलती है तो उसकी जांच कराई जाएगी। अनिल अग्रवाल ने कहा कि यदि किसी स्कूल के खिलाफ इस तरह की शिकायत मिलती है तो उसकी जांच कराई जाएगी। दरअसल, राजधानी के कुछ निजी स्कूलों पर नए सत्र से कई गुना फीस बढ़ाने के आरोप लग रहे हैं। सोमवार को जानकीपुरम के ब्राइट वे कॉलेज में भी पेरेंट्स ने स्कूल प्रशासन पर मनमानी तरीके से कई गुना फीस बढ़ाने का आरोप लगाते हुए पहुंचे। इस दौरान पहले पेरेंट्स ने स्कूल प्रिंसिपल से बात करनी चाही, पर स्कूल के अड़ियल रवैये को देखकर मेन गेट के बाहर आकर खड़े हो गए।

फास्ट न्यूज

शॉर्ट सर्किट से तीन बीघा गेहूं की फसल जली

दुबग्गा। काकोरी थाना क्षेत्र के चिलौली गांव में बिजली के शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। इस घटना में तीन किसानों की करीब तीन बीघा गेहूं की खड़ी फसल जलकर राख हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, यह हादसा खेतों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से निकली चिंगारी के कारण हुआ। जानकारी के मुताबिक, गांव के खेतों के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन के खंभे से अचानक चिंगारी निकली।

गंगा में नियम के विरुद्ध चल रही 6 नाव सीज

वाराणसी। काशी में गंगा घाटों पर बढ़ती भीड़, नावों की संख्या और पर्यटकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने दोहरी रणनीति पर काम शुरू कर शुरू कर दिया है। एक ओर गंगा में ट्रैफिक कंट्रोल के लिए तीन किलोमीटर लंबा वाटर डिवाइडर बिछाने की तैयारी है। वहीं दूसरी ओर गंगा पार रेती क्षेत्र में पुलिस बूथ का निर्माण कर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। इसके अलावा दशाश्वमेध घाट और अस्सी घाट पर नाविकों के ऊपर निगरानी बढ़ा दी गई ड्रोन से भी निगरानी की जा रही है जो भी बिना लाइफ जैकेट नाव चलाते पाया जा रहा है उस पर FIR दर्ज हो रहा। वाराणसी में गंगा आरती समाप्त होने के बाद पुलिस की टीम गंगा में निगरानी करते हुए नजर आई। आए उन्होंने पहले वीडियो बनाया उसके बाद उन नाविकों की नाव को चिन्हित करके उसे सीज कर दिया जो नियम के विरुद्ध चल रहे थे।

कानपुर के साइबर ठगों ने जंगल में बनाया ऑफिस

कानपुर। कानपुर के सात गांव इन दिनों 'मिनी जामताड़ा' के नाम से चर्चा में हैं। पुलिस ने करीब 3 महीने तक फील्ड एक्सरसाइज के बाद चारों ओर से गांवों को घेरकर 20 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग दूसरे के नाम पर सिम कार्ड खरीदते, फर्जी दस्तावेजों के जरिए बैंक खाते खुलवाते। इन्हीं सिम और खातों के जरिए देश के अलग-अलग राज्यों के लोगों को जाल में फंसाकर साइबर ठगी करते थे।

सेनेटरी शोरूम और सुपर मार्ट में चोरी

छत के रास्ते घुसे चोरों ने नगदी व कीमती सामान पार किया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ गुडंबा और मड़ियांव थाना क्षेत्र में देर रात चोरों ने दो शोरूमों को निशाना बनाया। गुडंबा इलाके में सेनेटरी की दुकान में छत के रास्ते घुसे चोरों ने करीब 22 लख रुपए का सामान व नगदी पार कर दी। मड़ियांव में सुपरमार्ट का शटर काटकर चोरी की। पीड़ितों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। गुडंबा निवासी आदित्य कल्याणपुर रिंग रोड पर अवध सैनिटरी स्टोर नाम से दुकान चलाते हैं। उन्होंने बताया रविवार रात करीब 8:30 बजे दुकान बंद करके घर चले गए थे। सोमवार सुबह जब स्टाफ दुकान खोलने पहुंचा तो अंदर सामान अस्त-व्यस्त मिला। ऑफिस में रखा 8 लाख 54 हजार गायब थे। 50 हजार रुपए की नोटों की एक गड्डी जमीन पर गिरी थी। अंदर सामान बिखरा पड़ा था। स्टोर में रखा सेनेटरी से जुड़ा महंगा आइटम भी गायब था, जिसकी कीमत करीब 13 से 14 लाख रुपए है। चोर सीसीटीवी का डीवीआर और वाईफाई राउटर भी उखाड़ ले गए। चोर पीछे खाली पड़े मकान से सीढ़ी लगाकर ऊपर चढ़े। पीड़ित ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस व डॉग स्क्वायड ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले में इंस्पेक्टर गुडंबा अंजनी मिश्रा का कहना है मुकदमा दर्ज करके अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी गई है।

लखनऊ में पल्लवी पटेल ने दी श्रद्धांजलि, बोलीं- संविधान बचाने की जरूरत

'बीजेपी बाबा साहब को मानती है, उनके विचारों को नहीं'

- डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के पूर्व दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।
- बड़ी संख्या में जुटे अपना दल कमेरावादी के कार्यकर्ता।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती से एक दिन पहले अपना दल (कमेरावादी) ने उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर दारुलशफा से अंबेडकर प्रतिमा तक "समता संकल्प मार्च" निकाला गया। मार्च में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में सिराथू विधायक डॉ. पल्लवी पटेल मुख्य रूप से मौजूद रहीं। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने "यूजीसी लागू करो" और "आरक्षण का अधिकार दो" जैसे नारे लगाए। भारतीय जनता पार्टी ने जो षड्यंत्र रचा था उसमें वह कुछ हद तक सफल भी हुए। मगर जब तक इस देश में वंचित समाज और बाबा साहब को मानने वाले मजबूती से लड़ाई लड़ते रहेंगे तब तक किसी के अधिकारों का हनन नहीं होगा।

'बाबा साहब ने दिया संविधान की सुरक्षा कवच'

मौजूदा समय में भाजपा सरकार बाबा साहब के प्रतीक चिन्हों को तो 100% रूप से पूजती है। लेकिन उतनी ही मजबूती से बाबा साहेब के विचारों और संविधान को मिटाने के लिए कुंठित प्रयास कर रही है। इसके जिम्मेदार वो लोग भी है जिन्होंने बाबा साहब के नाम पर सत्ता पाई। मगर संविधान की सुरक्षा के लिए कुछ नहीं किया। आज एक बड़ा वर्ग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। संविधान बचाने के लिए एक महान आंदोलन खड़ा किया जाना चाहिए ताकि इस देश में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को न्याय मिले।

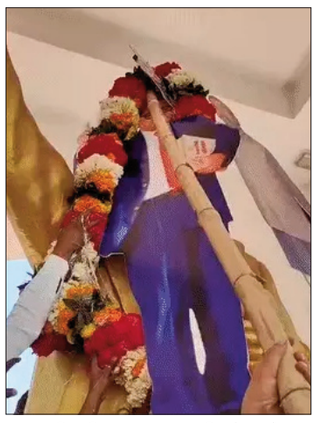

'यूजीसी पर एससी ने सोच समझ कर लगाया रोक'

पल्लवी पटेल ने कहा यूजीसी पर सर्वोच्च न्यायालय ने बहुत सोच समझकर रोक लगाया। भारतीय जनता पार्टी ने जो षड्यंत्र रचा था उसमें वह कुछ हद तक सफल भी हुए। मगर जब तक इस देश में वंचित समाज और बाबा साहब को मानने वाले मजबूती से लड़ाई लड़ते रहेंगे तब तक किसी के अधिकारों का हनन नहीं होगा।

कार्यक्रम में सिराथू विधायक डॉ. पल्लवी पटेल ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने हम सबको संविधान की सुरक्षा कवच दिया। दलितों पिछड़ों भारत के प्रत्येक नागरिक को संविधान का ऐसा अधिकार मिला कि वह हमेशा उसके अधिकारों की रक्षा होती रहेगी। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, बीपी पंडाल और ज्योतिबा फुले प्रत्येक समतावादी व्यक्ति को याद करते रहना चाहिए।

किडनी कांड का फरार मास्टरमाइंट

डॉ. रोहित अरेस्ट गिरफ्तार

25 हजार का इनाम था, दिल्ली से पूरा सिंडीकेट ऑपरेट कर रहा था

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। किडनी कांड में फरार चल रहे 25 हजार के इनामी मास्टरमाइंड डॉ. रोहित को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी रोहित को पुलिस गाजियाबाद से कानपुर लेकर आई है। यहां उससे पूछताछ की जा रही है। जांच के मुताबिक, खुद को डॉक्टर बताने वाला रोहित 12वीं पास है। डीसीपी वेस्ट ने बताया- पुलिस की टीमें पूछताछ कर किडनी सिंडिकेट से जुड़ी अहम जानकारियां जुटाने में लगी हुई हैं। इस मामले में अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। 30 मार्च को किडनी कांड का खुलासा हुआ था। कल्याणपुर के अहूजा हॉस्पिटल में अवैध रूप से किडनी ट्रांसप्लांट किया जा रहा था। अहूजा हॉस्पिटल के मालिक दंपति डॉ. सुरजीत अहूजा और प्रीति अहूजा के साथ ही दलाल शिवम कानपुर समेत अब तक 9 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। इन सभी से पूछताछ में सामने आया था कि दिल्ली का रहने वाला डॉ. रोहित अवैध किडनी ट्रांसप्लांट का सरगना है। इसके साथ ही मेरठ के डॉ. अफजल और दिल्ली निवासी ओटी टेक्नीशियन मुदस्सर अली भी इसमें शामिल बताए गए। पुलिस ने इन तीनों आरोपियों पर 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। पुलिस की टीमें लगातार सरगना डॉ. रोहित की तलाश में लगी थीं। रविवार रात उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस की टीमें सोमवार को डॉ. रोहित को लेकर कानपुर पहुंचीं। डीसीपी वेस्ट एसएम कासिम आबिदी समेत अन्य पुलिस अधिकारी रोहित से पूछताछ कर रहे हैं। अब तक की पूछताछ में सामने आया है कि रोहित कोई डॉक्टर नहीं, बल्कि इंटर पास है और खुद को डॉक्टर बताता था। उसकी एक-दो नहीं, कई तस्वीरें भी पुलिस के हाथ लगी हैं, जिनमें वह गले में स्टेथोस्कोप डाले और एप्रन पहने नजर आ रहा है। इतना ही नहीं, कुछ तस्वीरों में वह ओटी के भीतर डॉक्टरों के साथ ऑपरेशन करते हुए भी दिखाई दे रहा है। डीसीपी वेस्ट ने बताया कि रोहित से पूछताछ में कई अहम इनपुट मिले हैं। पूछताछ पूरी होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

हादसा : हापुड़ में बस को टक्कर मारकर उसी पर पलटा ट्रक, 3 दिन बाद बेटी की शादी थी

दूल्हे के पिता समेत 6 बारातियों की मौत

- टक्कर के बाद ट्रक बस पर पलट गया। बाराती अंदर फंस गए। उनको बड़ी मुश्किल से पुलिस ने रेस्क्यू किया।
- ट्रक पलटने की वजह से रेस्क्यू में दिक्कत हुई। करीब एक घंटे तक रेस्क्यू चला, तब जाकर सभी को बाहर निकाला गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

हापुड़। यूपी के हापुड़ में रविवार देर रात 1.30 बजे बारातियों से भरी बस को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में 5 बारातियों समेत 6 की मौके पर मौत हो गई। 7 गंभीर हैं। बारात गाजियाबाद के डासना से बुलंदशहर के गुलावठी गई थी। बस में कुल 13 बाराती थे। बाकी दूसरी कारों से पीछे आ रहे थे। शादी के बाद वापस लौटते वक्त बस रोड किनारे खड़ी थी। रास्ता काफी सकरा था। इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बस को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद रोड की ढलान पर पहले बस पलटी, फिर बेकाबू ट्रक भी उस पर पलट गया। भारी भरकम ट्रक के पलटने पर बस पिचक गई। बस की छत उखड़कर अलग हो गई। बाराती अंदर दब गए। चीख-पुकार मच गई। पीछे आ रहे बारातियों ने पुलिस को सूचना दी। बस के शीशे तोड़कर कुछ लोगों को बाहर निकाला गया। कुछ बाराती इस कदर फंस गए थे कि गाड़ी को गैस कटर से काटकर उनको रेस्क्यू किया गया। घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया।

> "बस में सवार नदीम ने बताया- बस रुकी हुई थी। मैं ड्राइवर के बगल में कंडक्टर सीट पर बैठा था। रात में करीब 12:35 बजे जैसे ही ट्रक ने टक्कर मारी, बस के सभी शीशे एक झटके में टूट कर चूर-चूर हो गए। मैं खुद-ब-खुद बस से उछल कर बाहर आ गिरा। सिर पर गहरी चोट आई, पर मेरी जान बच गई। मैं बेहोश हो गया। होश आया तो देखा पूरा ट्रक, बस पर पलटा हुआ था। मेरे परिवार के लोग बीच में दबे चिल्ला रहे थे। तब तक पीछे से अन्य बाराती आ चुके थे।"

इनकी हुई मौत

निकाह के बाद रात में ही लौटी बारात

बारात बुलंदशहर के गुलावठी शहर में रविवार रात गाजियाबाद के डासना से आई थी। यहां के पीरखां खतीजा मस्जिद के पास के रहने वाले शेर मोहम्मद की बेटी चाईना (22) की शादी, डासना के दूध पीपल वाले क्षेत्र के रहने वाले कपड़ा व्यापारी जाहिद से हुई।

पृष्ठ 01 का शेष...

गैस महंगी...

कि उनकी मांगों को लेकर जॉइंट समिति की बैठक हो चुकी है। इस पर काम भी जारी है। इसके बावजूद कुछ लोग कंपनियों में घुस गए और तोड़फोड़ करने लगे। फिलहाल CCTV फुटेज के आधार पर उग्र लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस ने बताया कि जिले में स्थिति फिलहाल शांतिपूर्ण है। कानून-व्यवस्था पूरी तरह कंट्रोल में है। नोएडा में श्रमिकों के हिंसक प्रदर्शन और आगजनी की घटना पर यूपी सरकार के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सरकार मजदूरों की समस्याओं को गंभीरता से ले रही है। उनकी मांगों पर विचार किया जा रहा है, लेकिन कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। मऊ में मीडिया से बातचीत के दौरान मंत्री ने कहा- श्रमिकों का एक प्रतिनिधिमंडल गाजियाबाद पहुंच चुका है। जल्द ही उनके साथ वार्ता की जाएगी, ताकि समस्याओं का शांतिपूर्ण समाधान निकाला जा सके। सीएम योगी ने रविवार को कहा था कि देश में नक्सलवाद समाप्त होने की स्थिति में है, लेकिन इसे पुनर्जीवित करने की साजिश भी हो सकती है। उन्होंने आशंका जताई कि हाल में हुए कुछ प्रदर्शनों में विघटनकारी तत्व शामिल हो सकते हैं। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने और खुफिया तंत्र को निगरानी बढ़ाने के भी निर्देश दिए थे।

'बंगाल...

और 15% मतदाता वोट नहीं डाल सके, तो हमें इस पर सोचना होगा। यह चिंता का मामला हो सकता है। यह मत समझिए कि बाहर किए गए मतदाताओं का सवाल हमारे दिमाग में नहीं है। जस्टिस बागची ने यह भी कहा कि SIR प्रक्रिया में काम कर रहे न्यायिक अधिकारियों से भी जांच प्रक्रिया के दौरान कुछ गलतियां हुई होंगी। उन्होंने कहा- न्यायिक अधिकारियों से 100% सटीकता की उम्मीद नहीं की जा सकती, क्योंकि वे बहुत प्रेशर में काम कर रहे हैं। जस्टिस बागची ने कहा कि जब कोई अधिकारी रोज 1000 से ज्यादा दस्तावेजों की जांच करता है और समयसीमा भी कड़ी होती है, तो 70% सटीकता भी बेहतरीन मानी जाएगी। इसलिए एक मजबूत अपीलीय तंत्र जरूरी है। पश्चिम बंगाल में अक्टूबर 2025 में कुल वोटर 7.66 करोड़ थे। इनमें से अब तक 90.83 लाख नाम हटाए गए। लगभग 11.85% वोटर कम हो गए। यानी अब राज्य में 6.76 करोड़ वोटर हैं। चुनाव आयोग ने फाइनल आंकड़े जारी नहीं किए हैं। इसके अलावा जांच के तहत आए 60.06 लाख वोटरों में से 27.16 लाख के नाम हटाए गए। बांग्लादेश सीमा से लगे जिलों में भी बड़े स्तर पर नाम हटे। नॉर्थ 24 परगना में 5.91 लाख में से 3.25 लाख नाम हटे। वहीं, 8.28 लाख में से 2.39 लाख नाम हटे।

अशांति पैदा...

सुरक्षा के बीच अशांति फैलाने की कोशिश जब सुरक्षा का अहसास होता है, तो कुछ लोग धैर्य खोने लगते हैं। किसी भी परिस्थिति में धैर्य नहीं खोना चाहिए। यूपी में डबल इंजन की सरकार बेटी-व्यापारी की सुरक्षा दे रही है, रोजगार की गारंटी दे रही है। किसानों को खुशहाली दे रही है। कोरोना काल में आपने देखा होगा, हमारी सरकार ने कर्मिकों के लिए गाड़ी दी थी। सभी फ्री सुविधा दी और घरों तक पहुंचाया था। यह वही राज्य है, जहां 2017 से पहले उद्योग नहीं लगता था, तालाबंदी होती थी। बेटी-व्यापारी सुरक्षित नहीं था। मुजफ्फरनगर, बुलंदशहर, शामली, गाजियाबाद, मुरादाबाद सभी जगह यही स्थिति थी। श्रमिकों के संरक्षण की जिम्मेदारी ली औद्योगिक अशांति पैदा करने वाले लोगों से सावधान रहें। हमारी सरकार श्रमिकों के साथ है। उद्यमी को सुरक्षा देगी, श्रमिकों को संरक्षण देगी। सफाईकर्मी हो या आउटसोर्स-कर्मी, सभी को न्यूनतम वेतन की गारंटी होगी। इसमें कोई बिचौलिया नहीं होगा। अगले कदम में हर औद्योगिक संस्थान को इसमें जोड़ा जाएगा, सिर्फ सरकारी तक सीमित नहीं होगा। धीरे-धीरे करके बीमा कंपनियों से बात हो रही है, जिससे हर श्रमिक को स्वास्थ्य की सुविधा मिल सके। महापुरुषों की कोई जाति नहीं होती योगी ने कहा- महापुरुषों को जाति के दायरे में मत बांधिए। देश इसीलिए गुलाम हुआ था, जब हमने जातीय दायरे में लोगों को बांधा था। महाराणा प्रताप, गुरुगोविंद सिंह, लक्ष्मीबाई, भगत सिंह देश के लिए लड़े थे। चौधरी चरण सिंह ने किसान, गांव, श्रमिक, युवाओं की बात की। उन्होंने खेत-खलिहान की बात की। जाति की बात नहीं की। सैनिक लड़ते समय जाति नहीं देखता, देश देखता है। सैनिक की कोई जाति नहीं होती है। जयंत चौधरी के विजन में आगे बढ़ रहे सीएम ने कहा- अच्छा लगता है, जब नौजवान के चेहरे पर विश्वास झलकता है। अच्छा लगता है, जब हमारी माता-बेटी और बहन सुरक्षित होती है। इसी विश्वास के दम पर नए भारत के निर्माण के लिए पीएम आगे बढ़े हैं। जयंत चौधरी के नए विजन के साथ सरकार इसे आगे बढ़ा रही है। मुजफ्फरनगर का गुड़ कोई देख ले, तो लार टपकने लगेगी मुजफ्फनगर को स्मार्ट सिटी बनाने की तैयारी है। यहां के गुड़ की मिठास आगे जानी चाहिए। यहां का गुड़ कोई देख ले, तो उसके मुंह से लार टपकने लग जाएगी। किसानों ने मांग की प्राइवेट ट्यूबवेल को बिजली फ्री दीजिए। 16 लाख ट्यूबवेल को हमने फ्री बिजली दी, जिससे हमारा किसान खुशहाल हो। आप मेहनत करिए, हर श्रमिक को हम सम्मान देंगे। 2017 से पहले कुल 10 हजार महिला पुलिसकर्मी थीं, आज 44 हजार हैं।

मेरठ से 'नए आर्थिक स्वतंत्रता आंदोलन' का दावा

व्यापार और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि 1857 की क्रांति के बाद अब मेरठ से एक नए "आर्थिक स्वतंत्रता आंदोलन" की शुरुआत होगी। उनका कहना है कि यह आंदोलन मौजूदा सत्ताधारी व्यवस्था और उसकी आर्थिक नीतियों के खिलाफ होगा। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार पहले भूमि अधिग्रहण और तथाकथित "काले कानूनों" के जरिए खेती-किसानी को कमजोर करने की कोशिश कर चुकी है और अब अंतरराष्ट्रीय समझौतों व बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रभाव में देश के पारंपरिक व्यापार को खत्म किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन नीतियों के चलते देश की अर्थव्यवस्था पर कुछ चुनिंदा बड़े उद्योगपतियों और पूंजीपतियों का कब्जा बढ़ रहा है, जबकि छोटे व्यापारी, दुकानदार और मध्यम वर्गीय उद्यमी हाशिए पर जा रहे हैं। सपा प्रमुख ने दावा किया कि जो बड़े व्यापारी और स्टॉकिस्ट अभी भाजपा के साथ हैं, वे भी जल्द ही इन नीतियों का असर महसूस करेंगे। उन्होंने कहा कि अब व्यापारी वर्ग का भ्रम टूट रहा है और छोटे-बड़े सभी कारोबारी भाजपा के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं। अखिलेश यादव ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार का "बुलडोजर" अभियान केवल भवनों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा रहा है। उनके मुताबिक, मौजूदा आर्थिक नीतियां देश को "आर्थिक गुलामी" की ओर ले जा रही हैं, जिसका विरोध हर स्तर पर होगा। मेरठ के ऐतिहासिक महत्व का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि Indian Rebellion of 1857 की तरह एक बार फिर यह शहर बदलाव का केंद्र बनेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा ने अपने चुनाव अभियानों की शुरुआत भी मेरठ से की थी, इसलिए उसके "राजनीतिक अंत" की शुरुआत भी यहीं से होगी।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676